राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 06 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-168 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक का निधन, दिल्ली में चल रहा था इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को निधन हो गया है। वह लंबे समय दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती थे और उनका इलाज चल रहा था। सत्यपाल मलिक जम्मू-कश्मीर, गोवा और मेघालय जैसे राज्यों में गवर्नर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। उन्होंने छात्र राजनीति से अपने करियर की शुरुआत की। सत्यपाल मलिक समाजवादी विचारधारा के नेता थे। एक सांसद से लेकर गवर्नर तक का सफर तय करने वाले सत्यपाल मलिक कुछ सालों तक बीजेपी से जुड़े रहे और कई राज्यों में गवर्नर रहे। हालांकि बीते कुछ सालों से वह केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया था। मलिक के एक्स अकाउंट से भी उनकी मौत की जानकारी मिली है। एक्स अकाउंट पर आखिरी बार उनके निजी सहायक ने 9 जुलाई को बताया था कि उनकी हालत गंभीर है। खुद को चौधरी चरण सिंह का शिष्य बताने वाले सत्यपाल मलिक किसान आंदोलन के समर्थन में मुखर थे और केंद्र सरकार की तीखी निंदा की थी। यही नहीं उन्होंने किसान आंदोलन के समर्थन में कई राज्यों में दौरे किए और केंद्र सरकार से अपील की थी कि वह तीन विवादित बिलों को वापस ले लें। पीएम मोदी पर सीधे हमला बोलने के कारण भी वह काफी चर्चा में थे। मंगलवार को दोपहर में खबर आई कि सत्यपाल मलिक का निधन हो गया है।

सबसे लंबे समय गृहमंत्री रहने वाले व्यक्ति बने अमित शाह

-पद पर रहते पूरे किए 2258 दिन, 2019 में शपथ ली थी; आडवाणी का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमित शाह मंगलवार को भारत के सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। वे 2,258 दिनों से पद पर हैं। शाह ने 30 मई, 2019 को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में गृह मंत्री का कार्यभार संभाला था। शाह ने गृह मंत्री का पहला कार्यकाल 9 जून 2024 को पूरा किया था। 10 जून, 2024 को वे फिर से गृह मंत्री बने और तब से इस पद पर हैं। गृह मंत्रालय के अलावा, वे देश के पहले सहकारिता मंत्री भी हैं। इससे पहले शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और गुजरात के गृह मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने बतौर गृह मंत्री, भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आडवाणी 19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक, कुल 2,256 दिनों तक देश के गृह मंत्री पद पर रहे थे। आडवाणी के बाद कांग्रेस नेता गोविंद बल्लभ पंत सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री रहने वाले तीसरे व्यक्ति हैं।

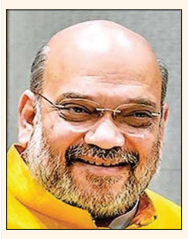

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर बाहर आ गया है। उसे 40 दिन की पैरोल मिली है। राम रहीम मंगलवार सुबह ही सिरसा डेरे के लिए रवाना हुआ। वह 14वीं बार पैरोल या फरलो लेकर बाहर आया है। सिरसा डेरा पहुंचने के साथ ही राम रहीम ने अपना पहला वीडियो संदेश अपने अनुयायियों के लिए भेजा है। इसमें उसने कहा कि आप लोग दर्शन करने आए, आप हर बार हमारी बात को मानते हैं तो आपसे हाथ जोडक़र प्रार्थना है कि जैसा आप लोगों को गाइड करेंगे, वैसी सेवा करनी है। आपको अपनी-अपनी जगह पर रहना है और जो सेवा कर रहे हैं, उसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई।

सच्चा भारतीय कौन....मामले पर प्रियंका गांधी ने कहा- यह तय करना सुप्रीम कोर्ट का काम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने सच्चा भारतीय कौन मामले पर कहा है, कि कौन सच्चा भारतीय है? यह सुप्रीम कोर्ट तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सरकार से प्रश्न करना राहुल गांधी की ड्यूटी है क्योंकि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। दरअसल प्रियंका गांधी का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था, कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बातें नहीं कर सकता। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि मैं माननीय न्यायाधीशों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए यह कहना चाहती हूं कि वो यह तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है? सरकार से प्रश्न पूछना विपक्ष के नेता की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, कि सेना के खिलाफ मेरा भाई कभी भी कुछ नहीं नहीं बोलेगा, वो उनके प्रति उच्च सम्मान रखता है। उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया है। प्रियंका गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए इस आशय की बात कही। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की पीठ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने सोमवार को राहुल गांधी की याचिका की सुनवाई करते हुए अपनी टिप्पणी में कहा था, कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बातें नहीं कहेंगे।

भारत फिलीपींस जल्द असर दिखाने वाले प्रोजेक्ट्स की संख्या बढ़ाएंगे : पीएम मोदी

दोनों नेताओं ने एक डाक टिकट भी जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलीपींस के राष्ट्रपति रोमुआल्डेज मार्कोस जूनियर भारत के 5 दिन के राजकीय दौरे पर दिल्ली पहुंचे हैं। उन्होंने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। प्रेसवार्ता के दौरान पीएम मोदी ने पहलगाम हमले की निंदा और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े रहने के लिए फिलीपींस को शुक्रिया अदा किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौते (एमओयू) साइन हुए। दोनों नेताओं ने इस दौरान एक डाक टिकट भी जारी किया।

पीएम मोदी ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन किया। भारत फिलीपींस जल्द असर दिखाने वाले प्रोजेक्ट्स की संख्या बढ़ाएंगे। भारतीयों को वीजा-फ्री एंट्री देने के फैसले का स्वागत किया। भारत भी फिलीपींस के पर्यटकों को फ्री ई-वीजा की सुविधा देगा। दिल्ली और मनीला के बीच सीधी फ्लाइट शुरू करने के लिए भी काम किया जाएगा।

फिलीपींस के डेटा क्लाउड स्ट्रक्चर के विकास में भारत मदद करेगा। फिलीपींस को अगले साल आसियान की अध्यक्षता के लिए भारत सहयोग करेगा।

इसके पहले राष्ट्रपति मार्कोस ने राजघाट पर महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उनका स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 2022 में पद संभालने के बाद राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर की यह भारत की पहली यात्रा है। वे सोमवार को भारत पहुंचे थे। उनके साथ फर्स्ट लेडी लुईस अरानेटा मार्कोस और कई मंत्रियों का हाई-लेवल डेलिगेशन भी भारत आया है।

धराली में बादल फटा... पहाड़ से मलबे के भारी सैलाब से 20-25 होटल और होम स्टे बहे

-कई लोगों के लापता होने और मारे जाने की आशंका - डीएम ने शुरुआती तौर पर चार लोगों के मौत की पुष्टि की

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बादल फटने से भारी तबाही मच गई है। उत्तरकाशी जिले के धराली में बादल फटने से पहाड़ से मलबे का भारी सैलाब आया जिसमें दर्जनों मकान और होटल दब गए हैं। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक करीब 20-25 होटल और होम स्टे इस सैलाब में बह गए हैं। घटना के बाद कई लोग लापता हैं और बहुत से लोगों के मारे जाने की आशंका है। इस बीच सेना और आईटीबीपी ने राहत और बचाव कार्य के लिए मोर्चा संभाल लिया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि खीर गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से विनाशकारी बाढ़ आई। पहाड़ से गिरे मलबे में गांव का अधिकतर हिस्सा मलबे के ढेर में बदल गया है। कई मकान, 20-25 होटल और होम स्टे भी मलबे में दब गए हैं। घटना में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। उत्तरकाशी के डीएम ने शुरुआती तौर पर चार लोगों के मौत की पुष्टि की है। लेकिन आकंड़ा बढ़ने की आशंका से इंकार नहीं किया है। उन्होंने बताया कि बादल फटने की खबर सामने आते ही सेना और आईटीबीपी ने राहत और बचाव कार्य के लिए मोर्चा संभाल लिया। प्रशासन लगातार लोगों को बचाने के लिए जुटा हुआ है।

बताया जा रहा है कि बादल फटने की घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई, इसके बाद तेजी से मलबा पहाड़ से नीचे की तरफ आया। रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला सका। ऊपरी इलाकों में मौजूद कुछ लोगों ने खौफनाक घटना को कैमरों में कैद किया और इस दौरान वह मंजर देखकर लोग चीखते-चिल्लाते रहे। जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर गांव में बड़ी संख्या में होटल और होम स्टे हैं। गंगोत्री जाने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इन होटलों में रुकते हैं। बताया जा रहा है कि 20 से 25 होटल भी बह गए हैं और मलबे में दब गए। कई घोड़े, खच्चर और कई वाहन भी दब गए हैं।

उधर उत्तरकाशी जनपद के हर्षिल क्षेत्र के धराली गांव में बादल फटने की घटना से हुए जन-धन के नुकसान की सूचना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुःख जताकर प्रभावितों के प्रति संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरफ , जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री धामी से बात की है।

सदन कौन चला रहा है? आप या अमित शाह... खरगे के बयान से राज्यसभा में हंगामा

उपसभापति का जबाव, ये एकदम गलत आरोप हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा का सत्र मंगलवार को भी हंगामेदार रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति पर ही सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का नाम लेकर सवाल किया कि सदन कौन चला रहा है? खरगे के इस बयान से सदन में जमकर नारेबाजी हुई। उपराष्ट्रपति पद से अगस्त में जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह पद पर असीन हैं।

रिपोट्र्स के अनुसार, खरगे ने कहा, हमारे पुराने नेताओं ने भी माना है कि व्यवधान डालना भी लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आज मैं आपसे एक बाद पूछना चाहता हूं कि सदन कौन चला रहा है? आप या केंद्रीय गृहमंत्री शाह। इस पर उपसभापति सिंह ने जवाब दिया, ये एकदम गलत आरोप हैं।

एसआईआर को वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी दलों ने राज्यसभा में जोरदार हंगामा किया। इसकारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करना पड़ी। उप सभापति हरिवंश ने जरूरी विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद सदस्यों को बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव के 34 नोटिस मिले हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी नोटिस नियमों के अनुरूप नहीं हैं इसलिए स्वीकार नहीं है।

इससके पहले उन्होंने सदन को बताया कि नेता विपक्ष खरगे ने गत एक अगस्त को उन्हें एक पत्र लिख कर आसन के निकट सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती पर आपत्ति जाहिर की थी। इसी बीच विपक्ष के सदस्यों ने अपनी जगह से उठकर शोर शराबा शुरू कर दिया।

उपसभापति ने हंगामे के बीच ही कहा कि यह चिंता की बात है कि नेता विपक्ष ने अपना पत्र सभी मर्यादाओं को भूलकर मीडिया को जारी किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष आसन की अपील के बावजूद बार बार नियमों का उल्लंघन कर कार्यवाही को बाधित कर रहा है। यहां तक कि विपक्ष के सदस्य सदन में अपनी बात रखने वाले सदस्यों की सीट पर जाकर वहां भी व्यवधान पैदा कर रहे हैं। यह नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को अपने आचरण पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

पैतृक गांव नेमरा में हुआ पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार, छोटे बेटे बसंत ने दी मुखाग्नि

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का मंगलवार को उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) में अंतिम संस्कार हुआ। उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा। उनके छोटे बेटे बसंत सोरेन ने मुखाग्नि दी। रांची से रामगढ़ जाने के दौरान कई जगह लोगों ने श्रद्धांजलि दी। सड़क किनारे समर्थक खड़े दिखे और शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाते नजर आए। इसके पहले मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में लोगों ने उनके आवास पर गुरुजी के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दी। शिबू सोरेन के करीबियों में गिने जाने वाले पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। साथ ही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव, आप सांसद संजय सिंह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रांची पहुंचे। फिर पार्थिव शरीर उनके आवास से विधानसभा पहुंचा। जहां राज्यपाल संतोष गंगवार, स्पीकर रवींद्र महतो सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्णिया सांसद ने पूर्व सीएम को आदिवासी अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक बताकर लिखा, शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी ने भी भारत रत्न देने की मांग की है।

राजग संसदीय दल की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव पर प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 05 अगस्त (वेब वार्ता)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मंगलवार को पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय दल की बैठक हुई। संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में राजग के सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के लिए हार पहनाकर प्रधानमंत्री का सम्मान किया। इस दौरान सांसदों ने जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारे लगाए।

संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार राजग संसदीय दल की बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री ने सभी का मार्गदर्शन किया। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता को लेकर एक प्रस्ताव पास किया गया। पहलगाम हमले में सभी मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई, सेना के शौर्य को सराहा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा में भाग लेने का भी आह्वान किया। यह बैठक संसद के मानसून सत्र के दौरान राजग की पहली बैठक है।

प्रधानमंत्री ने बैठक को संबोधित किया और बताया कि 5 अगस्त को सरकार ने क्या-क्या उपलब्धियां हासिल कीं। गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के राजग के सांसद इस बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री बैठक में नए सांसदों से भी मिले।

बिहार में अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का आवेदन !

समस्तीपुर (एजेंसी)। इन दिनों बिहार में फर्जी आवासीय प्रमाण पत्र को लेकर नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। अभी 'डॉग बाबू' के नाम से आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का आवेदन सामने आने के बाद हड़कंप मचा गया था और यह मामला थमा भी नहीं है कि अब सीधे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का आवेदन सामने आया है। दरअसल समस्तीपुर जिले में एक शख्स ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फोटो और नाम लगाकर निवास प्रमाण पत्र के लिए फर्जी आवेदन किया। हालांकि जांच के बाद आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया और साइबर थाना में इसकी शिकायत दर्ज करवाई गई है। मिली जानकारी के अनुसार समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर अंचल में किसी अज्ञात व्यक्ति ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर और नाम का उपयोग कर निवास प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर दिया। यह आवेदन 29 जुलाई 2025 को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन संख्या ब्रस्ष्टह्व/2025/17989735 के तहत प्राप्त हुआ था। आवेदन में नाम डोनाल्ड जॉन ट्रंप, पता ग्राम हसनपुर, वार्ड संख्या 13, पोस्ट बाकरपुर, थाना मोहिउद्दीननगर, जिला समस्तीपुर दर्ज किया गया था। जांच में पाया गया कि आवेदन पत्र में लगी फोटो, आधार संख्या, बारकोड और पते से संबंधित जानकारियों में जानबूझकर छेड़छाड़ की गई थी। यह बात संज्ञान में आते ही राजस्व अधिकारी द्वारा आवेदन को अस्वीकृत कर दिया गया।

26/11 मुंबई आतंकी हमला केस: तिहाड़ जेल में बंद तहव्वुर राणा घरवालों से करना चाहता है बात, कर दी निजी वकील की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाई-प्रोफाइल 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, कथित मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए एक निजी कानूनी वकील नियुक्त करने की इच्छा व्यक्त की है। अब तक, राणा का प्रतिनिधित्व अदालत द्वारा नियुक्त एक कानूनी सहायता वकील द्वारा किया जाता रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, उसने कथित तौर पर एक निजी वकील की व्यवस्था करने के लिए अपने परिवार से बात करने की अनुमति मांगी है। हालांकि, तिहाड़ जेल अधिकारियों ने हाल ही में राणा को उसके परिवार से नियमित रूप से टेलीफोन पर बात करने से मना कर दिया, जिससे जेल के सख्त प्रोटोकॉल के बीच उसका संवाद सीमित हो गया। राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) और जेल अधिकारियों से जवाब मिलने के बाद, पटियाला हाउस कोर्ट ने राणा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। राणा निजी वकील नियुक्त कर सकता है और परिवार से नियमित रूप से बातचीत कर सकता है या नहीं, इस पर फैसला 7 अगस्त को होने की उम्मीद है।

इससे पहले जून में अदालत ने राणा को सीमित फोन एक्सेस की अनुमति दी थी, जिससे वह अपने परिवार को एक बार निगरानी में कॉल कर सकता था। यह कॉल जेल सुरक्षा उपायों के तहत तिहाड़ जेल के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की गई थी। कानूनी सलाह के अनुरोध के अलावा, अदालत ने जेल अधिकारियों के विरोध के बावजूद, चिकित्सा आधार पर तिहाड़ जेल में बिस्तर और गद्दे की राणा की याचिका को भी मंजूरी दे दी। आमतौर पर, ऐसी सुविधाएँ केवल 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के कैदियों को ही दी जाती हैं। साढ़े 64 वर्ष की आयु में, राणा ने चिकित्सा आवश्यकता का तर्क दिया, और जेल अधिकारियों को प्रस्तुत उसके पूरे चिकित्सा इतिहास से भी इसकी पुष्टि हुई।

तहव्वुर राणा को अमेरिकी नागरिक और 2008 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी माना जाता है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अप्रैल में उसकी समीक्षा याचिका खारिज करने के बाद, राणा को इस साल की शुरुआत में अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था, जिससे उसके स्थानांतरण का मार्ग प्रशस्त हुआ। 26/11 का मुंबई आतंकवादी हमला भारत के हाल के इतिहास में सबसे क्रूर आतंकवादी हमलों में से एक है। 26 नवंबर, 2008 को, दस भारी हथियारों से लैस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने समुद्र के रास्ते मुंबई में घुसपैठ की और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ताज महल और ओबेरॉय ट्राइडेंट होटलों, और नरीमन हाउस सहित कई प्रमुख ठिकानों पर समन्वित हमले किए। लगभग 60 घंटे की घेराबंदी में 166 लोग मारे गए और देश पर गहरा प्रभाव पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया।

(लेखक- ललित गर्ग)

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था' तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली।

आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है।

आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।

जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

संपादकीय

शुभमन जीत

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि श्रृंखला को भी दो-दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा श्रृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के धुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी श्रृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम श्रृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार-चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं श्रृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमाचक श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन श्रृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी। जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया।

ईसाई- विरोधी हिंसा का बढ़ता ग्राफ

(लेखक- -राम पुनियानी)

कुछ दिन पहले (26 जुलाई 2025) दो ईसाई ननों को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया। उन पर जो आरोप लगाए गए, वे गंभीर थे जबकि मामला केवल इतना था कि उनके साथ तीन महिलाएं थीं, जो नर्स बनने का प्रशिक्षण लेना चाहती थीं। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सीपीएम की वृंदा करात भी शामिल थीं, को उनसे मिलने में बहुत कठिनाईयां पेश आईं। ननों पर मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन करवाने के आरोप लगाए गए। जहां राज्य के मुख्यमंत्री मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन के प्रयास के आरोपों पर अड़े हुए हैं, वहीं इन महिलाओं के अभिभावकों ने कहा कि उन्होंने उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर तलाशने के लिए इन ननों के साथ जाने की इजाजत दी थी।

ईसाईयों को किसी न किसी बहाने डराने-धमकाने की घटनाएं पिछले 11 सालों के दौरान तेजी से बढ़ी हैं और यह हिंसा भाजपा शासित राज्यों में अधिक हो रही है। स्थानीय एवं वैश्विक संस्थाओं की कई रपटों में भारत में ईसाईयों के बढ़ते उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रार्थना सभाओं पर यह आरोप लगाते हुए हमला किया जाता है कि उनका आयोजन धर्मपरिवर्तन के उद्धेश्य से हो रहा है। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले पॉस्टरों और ननों पर हमलों और उत्पीड़न का खतरा कहीं अधिक होता है। बजरंग दल दूरदराज के इलाकों में असहाय ननों और पॉस्टरों पर कानून अपने हाथ में लेकर सीधी कार्यवाही करने में अपनी शान समझता है।

एक अन्य मसला है ईसाईयों के शवों को दफनाने का। ईसाईयों को साझा आदिवासी कब्रिस्तानों में अपने मृतकों को दफन करने से रोका जा रहा है। जैसे, 26 अप्रैल, 2024 को छत्तीसगढ़ में एक 65 वर्षीय ईसाई पुरूष की मौत एक अस्पताल में हो गई। उसके शोकग्रस्त परिवार को तब और अधिक पीड़ा झेलनी पड़ी जब स्थानीय धार्मिक उग्रपंथियों ने उसे गांव में दफनाए जाने में अवरोध खड़े कर दिए और उनसे मांग की कि वे पुनः धर्मपरिवर्तन कर हिंदू धर्म स्वीकार करें। पुलिस के संरक्षण में परिवार ने ईसाई रस्मों एवं रिवाजों के अनुरूप शव को दफनाया। गांव में शांति सुनिश्चित करने के लिए वहां लगभग 500 पुलिसकर्मियों को तैनात करना पड़ा। ईसाईयों के एक बड़े पंथ के उत्पीड़ित नेता ने 2023 में कहा था, ''हर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर चार या पांच हमले होते हैं और हर रविवार यह संख्या दुगनी होकर 10 के करीब पहुंच जाती है। इतने बुरे हालात हमने पहले कभी नहीं देखे।' । उनके अनुसार भारत में ईसाईयों का प्रमुख उत्पीड़क संघ परिवार है, जो हिंदू उग्रपंथियों का संगठन है। शक्तिशाली अर्धसैनिक और रणनीतिक संगठन आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल इसके भाग हैं।

दो प्रमुख संगठन - वैश्विक स्तर पर ओपन डोर्स और भारत में पर्सीक्यूशन रिलीफ - इन अत्याचारों पर नजर रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं क्योंकि प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया का ज्यादातर हिस्सा या तो इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है या सच्चाई नहीं बताता।

पर्सीक्युशन रिलीफ ने 2020 में जारी अपनी रपट में कहा ''भारत में ईसाईयों के प्रति नफरत के कारण किए जाने वाले अपराधों मे 40।87 प्रतिशत की डरावनी वृद्धि हुई है।।यह वृद्धि कोविड-19 महामारी का फैलाव रोकने के लिए लगाये गए तीन माह के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बावजूद हुई है''। ओपन डोर्स, जो वैश्विक स्तर पर ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों पर नजर रखता है, के अनुसार भारत विशेष चिंता वाले राष्ट्रों की सूची में 11वें स्थान पर है (2024)।

सुधी सेल्वाराज और कैनेथ नेल्सन का कहना है कि ''इस ईसाई विरोधी हिंसा।।की विशेषता यह है कि यह।।सीधी, संरचनात्मक और सांस्कृतिक हिंसा का मिश्रण है, जिसमें स्व-नियुक्त ठेकेदारों के हमले, पुलिस की मिलीभगत, और कानूनों के दुरूपयोग के साथ साथ यह सोच भी शामिल है कि गैर-हिन्दू अल्पसंख्यक राष्ट्र विरोधी होते हैं''।

ईसाई-विरोधी हिंसा के विभिन्न स्वरूपों में बढ़ोत्तरी की व्यापक तस्वीर पिछले कुछ दशकों में अधिकाधिक स्पष्ट नजर आती गई है। ऐसा नहीं है कि यह हिंसा हाल ही में शुरू हुई हो। ज्यादातर मामलों में दूरदराज के इलाकों में यह अन्दर ही अन्दर जारी रही है। मुस्लिम विरोधी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है और यह कई बार विकराल रूप में सामने आई है। इसने बड़े पैमाने पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ईसाई विरोधी हिंसा का स्वरूप (कंधमाल हिंसा और पॉस्टर स्टेन्स को जलाए जाने की घटना को छोड़कर) अलग प्रकार का रहा है। यह चलती रहती है किंतु इसकी ओर आसानी से ध्यान नहीं जाता।

ऐसी पहली बड़ी घटना 1995 में इंदौर में हुई जब रानी मारिया की चाकुओं से गोदकर निर्ममता से हत्या कर दी गई। इसके बाद 1999 में पॉस्टर ग्राहम स्टेन्स की हत्या हुई। वे एक आस्ट्रेलियाई मिशनरी थे और ओडिशा के क्योंझर में काम कर रहे थे। वे कुष्ठ रोगियों की सेवा का काम करते थे। उन पर धर्मपरिवर्तन में शामिल होने का आरोप लगाया गया। उन पर हुए हमले का नेतृत्व बजरंग दल के दारा सिंह ने किया था, जिसने स्थानीय लोगों को उन पर हमला करने के लिए उकसाया। यह अत्यंत भयावह हमला था क्योंकि इसमें उन्हें उनके दो नाबालिग लड़कों टिपोथी और फिलिप के साथ तब जिंदा जला दिया गया था जब वे अपनी खुली जीप में सो रहे थे।

इस हमले को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति के। आर। नारायणन ने 'दुनिया के सबसे काले कामों में से एक' की संज्ञा दी थी। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए-भाजपा सरकार सत्ता में थी। वे इस नतीजे पर पहुंचे कि यह सरकार को बदनाम करने के लिए विदेशी शक्तियों द्वारा रची गई साजिश थी। बाद में वाधवा आयोग की रपट आई जिसमें यह कहा गया कि राजेन्द्र पाल उर्फ दारासिंह प्रमुख षड़यंत्रकर्ता था। वह इस समय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इसके पहले आरएसएस द्वारा स्थापित वनवासी कल्याण आश्रम यह प्रचार कर रहा था कि ईसाई मिशनरी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने का दिखावा कर रहे हैं। इस संस्था के प्रमुख आश्रम गुजरात के डांग, मध्यप्रदेश के झाबुआ और उड़ीसा के कंधमाल में स्थापित किए गए और स्वामी असीमानंद और स्वामी लक्ष्माणानंद जैसे लोगों ने अपने एजेंडे के मुताबिक प्रचार शुरू किया। इसी दौरान आदिवासियों को हिंदू सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों की ओर आकर्षित करने के लिए कई शबरी कुंभ आयोजित किए गए।

आदिवासी इलाकों में अभाव और निर्धनता की प्रतीक शबरी को एक देवी की तरह प्रचारित किया गया। इसके साथ ही भगवान हनुमान को भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा पर जोर देते हुए प्रस्तुत किया गया। इस धार्मिक-सांस्कृतिक परियोजना के नतीजे में इन दोनों देवी-देवताओं के कई मंदिर भी स्थापित हुए। इस प्रचार-प्रसार के शोरगुल के बीच यह बात भुला दी गई कि ईसाई धर्म भारत में कई सदियों से मौजूद है।

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

विचार मंथन

भारत और ईरान के संबंध

(लेखक - सनत जैन)

भारत सरकार की चुप्पी से ईरान की पाकिस्तान से दोस्ती

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि, भरोसे की कूटनीति, कई देशों से गहरे रिश्तों की बुनियाद रही है। हालिया वर्षों में देश की तथाकथित गोदी मीडिया ने जिस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ पत्रकारिता को अपनाया है। दूसरे देशों के नेताओं और दूसरे देशों के बारे में जिस तरह से अपमानजनक शब्दों का उपयोग किया जा रहा है, उसने न केवल भारत के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया है बल्कि विदेशों में भी भारत की साख को बडा नुकसान पहुंचाया है। ईरान और भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ रिश्ते कई दशकों से हैं। 1971 के युद्ध में ईरान भारत के साथ खड़ा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के दौरान भी ईरान ने हमेशा भारत का साथ दिया है। पिछले एक दशक में भी ईरान में चाहे चाबहार पोर्ट हो या गाज़ा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ईरान के साथ भारत के रिश्ते बेहतर रहे हैं। इन रिश्तों में जब कथित भारतीय गोदी मीडिया ने ईरान के सर्वोच्च नेता को ड्रग्स एडिक्ट बताने जैसी खबरें चलाई, जो न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता का अपमान है, बल्कि ईरान का भी अपमान है। ईरानी दूतावास द्वारा भारत सरकार के संज्ञान में यह बात ले जाने के बाद भी भारत सरकार की चुप्पी ने भारत और ईरान के संबंध एक तरह से खत्म होने की कगार पर हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार की संजीदगी और कूटनीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पिजिशिया का पाकिस्तान दौरा, वहां की सरकार से गर्मजोशी से मुलाकातों से स्पष्ट है, भारत अब ईरान की प्राथमिकताओं में नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भारत के नेशनल चैनल और कुछ समाचार पत्रों में ईरान के सर्वोच्च नेता के खिलाफ जो मुहिम चलाई गई उसमे भारत सरकार की चुप्पी और भारतीय मीडिया की गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग है। भारतीय मीडिया का एक धड़ा विदेश नीति को हिन्दू-मुस्लिम के चश्मे से देख रहा है। सरकार यदि चुप है, तो यही माना जाता है, मीडिया को सरकार का संरक्षण है। मीडिया जो कर रही है, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने लगा है। जिसका खामियाजा अब पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है। देश का मीडिया विदेशी नेताओं के खिलाफ अफवाहें फैलाएगा। अपमानजनक भाषा का प्रयोग करेगा। कूटनीतिक संवेदनशीलता को ताक पर रखेगा। इसका सीधा असर भारत की विदेश नीति पर पड़ेगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की पत्रकारिता राष्ट्र हित में हो, पत्रकारिता जनहित में हो। मीडिया सरकार का अनुवांशिक अंग नहीं है, जो सरकार के हितों के संवर्धन के लिए काम करे। मीडिया की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी वाली भूमिका है। गोदी मीडिया की जहरीली पत्रकारिता ने आज भारत को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पुराने मित्र देश दूरी बनाकर दुश्मन देश के साथ खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के सामरिक एवं आर्थिक हितों के लिए खतरनाक संकेत हैं। समय रहते इस प्रवृत्ति पर लगाम नही लगी, तो भारत का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ना तय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के पक्ष में कोई भी देश खड़ा नहीं हुआ, किसी भी देश ने पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। चीन जिसके साथ हम सबसे बड़ा व्यापार कर रहे हैं उसने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करके यह बता दिया है कि भारत की विदेश नीति एवं व्यापार नीति कूटनीति के संबंध बेमानी है। केंद्र सरकार को इस दिशा में अब सजग रहने की जरूरत है। वास्तविक रूप से हमें अपने मित्र देश और दुश्मन देश की पहचान करनी पड़ेगी। सामरिक और आर्थिक लेन-देन में स्थिरता लानी होगी। दीर्घकालिक संबंधों की तरफ ध्यान देना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आगे चलकर भारत अलग-थलग पड़ जाएगा। पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं रह गए हैं। भारत के पड़ोसी देशों के साथ चीन के संबंध बहुत मधुर हो गए हैं। जो पड़ोसी देश अभी हमारी सीमाओं की रक्षा मे खड़े रहते थे यदि वही विरोध में आ गए तो हम कैसे सुरक्षित रह पाएंगे, यह सोचने की जरूरत है। भारत की विदेश नीति कब और कैसे बदल गई। इसका पता ही नहीं चला। भारत के ऊपर कोई भी देश विश्वास क्यों नहीं कर रहा है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। ईरान जैसा देश यदि पाकिस्तान को अपना दोस्त बना ले तो यह भारत के लिए खतरे की घंटी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ एयूएम पर पहुंचा

निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ

नई दिल्ली। भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 10 सालों में सात गुना की ग्रोथ हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा हिस्सा अब भी इक्विटी फंड्स का है, जो कुल एयूएम का 59.94 फीसदी है। डेट फंड्स का हिस्सा 26.53फीसदी है, जबकि हाइब्रिड फंड्स 8.28फीसदी योगदान दे रहे हैं। बाकी अन्य फंड्स 5.26फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। इस तिमाही जून 2025 में डेट फंड्स में 2.39 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है, जो पिछली तिमाही में हुए आउटफ्लो के उलट है। ये निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ है, जो बदलती ब्याज दरों की वजह से संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस तिमाही में कुल 3.98 लाख करोड़ का निवेश हुआ, जिसमें से इक्विटी फंड्स में करीब 64फीसदी हिस्सा ब्रॉड-बेस्ड फंड्स में गया, जबकि 31फीसदी निवेश आर्बिट्राज फंड्स में आया। रिपोर्ट के मुताबिक पैसिव फंड्स का निवेशकों के बीच क्रेज़ बढ़ रहा है। अब ये कुल एयूएम का 17फीसदी हिस्सा बन चुके हैं। क्यू2 2025 में पैसिव फंड्स में 36,000 करोड़ का निवेश हुआ, जबकि एक्टिव स्ट्रैटेजीज में 3.62 लाख करोड़ का। इक्विटी के अंदर ब्रॉड-बेस्ड पैसिव फंड्स ने 106फीसदी का योगदान यह दर्शाता है कि निवेशक अब बड़े इंडेक्स और ब्लूचिप फंड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

सीआईएल ने बिजली की मांग को पूरा करने 90 करोड़ टन आपूर्ति का रखा लक्ष्य

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और आयात पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत चालू वित्त वर्ष के लिए 90.02 करोड़ टन का आपूर्ति का लक्ष्य तय किया है। यह पिछले साल की तुलना में 18 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्शाता है। देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में पेश परिदृश्य के मुताबिक कुल कोयला प्रेषण का करीब 74 फीसदी अकेले बिजली क्षेत्र में ही इस्तेमाल होने का अनुमान है। यह देशभर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति तय करने में सीआईएल की भूमिका को रेखांकित करता है। मीडिया रिपोर्ट में सीआईएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिजली क्षेत्र से अनुमानित मांग 66.81 करोड़ टन है। कंपनी का लक्ष्य बिजली और गैर-विनियमित उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने के साथ आयातित कोयले का विकल्प भी चुनना है। कंपनी ने कहा कि सीआईएल का वृद्धि खाका सरकार के हर घर में 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के अनुरूप है। इसके लिए 2028-29 तक उत्पादन को एक अरब टन करने की योजना है। कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि कंपनी रणनीतिक विविधीकरण और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये अपने कारोबार को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश के ऊर्जा बदलाव लक्ष्यों के साथ तालमेल करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की व्यापक योजना के तहत कोयला गैसीकरण, कोलबेड मीथेन (सीबीएम) निकासी, सौर ऊर्जा उत्पादन और अहम खनिजों की खोज में परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

होंडा की पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द ही होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया अपनी पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह होंडा की अब तक की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक बाइक मानी जा रही है, जिसकी अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा और रेंज लगभग 399 किलोमीटर होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक बाइक 2 सितंबर 2025 को पेश की जा सकती है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक केवल 2 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर तक चलेगी। इसके लिए इसमें बड़ी क्षमता की बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह आंकड़े इसे भारत की अन्य इलेक्ट्रिक बाइकों से एक कदम आगे रखते हैं। बाइक की मोटर काफी शक्तिशाली होगी, जो महज 2.77 सेकंड में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। होंडा की यह इलेक्ट्रिक बाइक तकनीकी रूप से भी बेहद खास होगी। इसमें ब्लूटूथ एप्लिकेशन कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, चार ड्राइविंग मोड्स और सेल्फ बैलेंसिंग कंट्रोल सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। ये सभी

फीचर्स इसे युवाओं और टेक-सेवी ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बना सकते हैं। कीमत को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी अनुमानित कीमत रुपए1.30 लाख से रुपए 1.50 लाख के बीच हो सकती है। इस कीमत पर यह बाइक प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ी प्रतिस्पर्धा पेश करेगी।

मुंबई में जल्द शुरु होगा टेस्ला का पहला चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली।

भारत में अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला अपना पहला चार्जिंग स्टेशन अगले हफ्ते मुंबई में शुरू करने जा रही है। यह स्टेशन टेस्ला की अत्याधुनिक वी4 सुपरचार्जिंग तकनीक से लैस होगा। यह हाई-टेक चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मेकर मैक्सिटी परिसर में स्थापित किया गया है, जहां पहले ही कंपनी का एक्सपीरियंस सेंटर मौजूद है। इस चार्जिंग स्टेशन में कुल 8 चार्जिंग यूनिट्स होंगे, जिनमें 4 सुपरचार्जिंग स्टॉल्स और 4 डेस्टिनेशन चार्जर्स शामिल हैं। सुपरचार्जर 250 किलोवॉट की स्पीड से कार को केवल 20 से 30 मिनट में लगभग फुल चार्ज कर सकता है। इसके लिए ग्राहक को रुपए 24 प्रति किलोवॉट की दर से भुगतान करना होगा। वहीं, डेस्टिनेशन चार्जर की क्षमता 11 किलोवॉट होगी और इसके लिए रुपए 14 प्रति किलोवॉट शुल्क लिया जाएगा। अभी यह चार्जिंग स्टेशन सिर्फ टेस्ला कारों के लिए उपलब्ध होगा, यानी अन्य ब्रांड्स की ईवी यहां चार्ज नहीं की जा सकेंगी। यह इसे भारत के मौजूदा चार्जिंग नेटवर्क से अलग बनाता है, जहां टाटा पावर, एथर, स्टाटीक जैसी कंपनियां मल्टी-ब्रांड चार्जिंग विकल्प देती हैं और स्पीड आमतौर पर 3.3 केडब्ल्यू से 60 केडब्ल्यू के बीच होती है।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

आईपीपीबी ने लेन-देन के लिए शुरु की फेस ऑथेंटिकेशन सेवा

नई दिल्ली। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है। आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम आपका बैंक, आपके द्वार मिशन के तहत वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। महामारी या किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में जब शारीरिक संपर्क से बचना अनिवार्य हो जाता है, उस समय यह फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध होगी। इससे न सिर्फ लेनदेन तेज और आसान होगा, बल्कि बैंकिंग सेवाएं सभी के लिए ज्यादा सुलभ और सुरक्षित बनेंगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 308 अंक , निफ्टी 73 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही तेल, गैस और फार्मा शेयरों में हुई बिकवाली से आई है हालांकि अंत में बाजार ने रिकवरी भी की जिससे गिरावट पर कुछ हद तक लगाम लगी। अमेरिका के 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710.25 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73. 20 अंक नीचे आकर 24,649.55 पर बंद हुआ। आज कामकाज के दौरान ऑटो इंडेक्स 0.4 फीसदी बढ़ा जबकि आईटी, बैंक, तेल एवं गैस, एफएमसीजी, फॉर्मा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स और बीएसई मिडकैप हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई पर अदानी एंटरप्राइजेज, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज़्यादा गिरे जबकि टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक के शेयरों में बढ़त रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्केई 225 अंक ऊपर उठकर बंद हुआ. वहीं यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि. अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ की इक्विटी बेची. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी की खरीदारी की। वहीं गत दिवस

बाजार बढ़त पर बंद हुआ। था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर अधिक अधिक टैरिफ लगाने की नई धमकी से भी बाजार पर दवाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स गिरावट के बाद ही 80,634.61 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 24,608.95 पर फिसल गया। सुबह के कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.38 फीसदी टूटकर कामकाज कर रहा था।

सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी में सबसे अधिक 0.55 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.12 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.25 फीसदी गिरा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है, जिससे बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँची

नई दिल्ली।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आँकड़ों के मुताबिक, 2 अगस्त 2025 को यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँच गई। यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन बीते वर्षों की तुलना में इसकी वृद्धि दर धीमी रही है।

इस उपलब्धि के साथ, यूपीआई के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोदी सरकार ने प्रतिदिन 100 करोड़ लेनदेन का लक्ष्य रखा है, और सरकार को उम्मीद है कि यह अगले साल तक हासिल हो जाएगा। हालांकि, फिनटेक कंपनियों और भुगतान संघों का मानना है कि इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को फिर से लागू करना चाहिए।

क्या है एमडीआर?

दरअसल एमडीआर वह शुल्क है जो बैंक डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों से लेते हैं। यह आमतौर पर लेनदेन मूल्य का 1 से 3 प्रतिशत तक होता है। दिसंबर 2019 में, मोदी सरकार ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर माफ कर दिया था। मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 में यूपीआई के लिए सब्सिडी घटाकर 1,500 करोड़ कर दी है, लेकिन उसने एमडीआर की मांग को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि यूपीआई को वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि कोई न कोई तब इस लागत को

वहन करेगा ही।

यह देखना बाकी है कि क्या एमडीआर को फिर से लागू किया जाएगा या फिर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च उपयोगकर्ताओं को उठाना पड़ेगा। इस बीच, यूपीआई ने दैनिक लेनदेन की मात्रा में वैश्विक भुगतान दिग्गज वीज़ा को पीछे छोड़ दिया है और अब यह भारत के सभी डिजिटल लेनदेन का करीब 85 प्रतिशत संभालता है।

फैबइंडिया ने पेश किया पारंपरिक कारीगरी से सजा राखी कलेक्शन

इंदौर ।

फैबइंडिया ने रक्षाबंधन 2025 के शुभ अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का एक सुंदर संगम है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता और गरिमा के साथ दर्शाता है। इस साल का कलेक्शन मुख्य रूप से गुलाबी रंग-पैलेट पर केंद्रित है, जिसमें हल्के गुलाबी से लेकर गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। कपड़ों को पारंपरिक खड़ी प्रिंटिंग और मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी जैसी खास कारीगरी से सजाया गया है, जो उन्हें एक विशेष फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल दोनों श्रेणियों में उपलब्ध है। यह नया कलेक्शन राखी पर तोहफा देने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें कपड़ों के साथ-साथ खास गिफ्टिंग सेट भी शामिल हैं, जो प्यार और अपनापन दर्शाते हैं। फैबइंडिया का यह रक्षाबंधन 2025 कलेक्शन अब कंपनी की वेबसाइट **www.fabindia.com** पर उपलब्ध है।

इरडा ने खामियों के चलते इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर लगाया पांच करोड़ का जुर्माना

ग्राहकों से की धोखाधड़ी, 4.2 करोड़ से ज्यादा की बीमा पॉलिसी बेची

नई दिल्ली।

बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने कुछ खामियों की वजह से पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही बीमा मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर आगाह भी किया है। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स को पहले पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर के नाम से जाना जाता था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बयान में कंपनी को निर्देश, सलाह और चेतावनी भी जारी की है।

नियामक ने कहा कि पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर प्राइवेट लिमिटेड अब पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड पर बीमा अधिनियम और नियमों एवं विनियमों के तहत स्थापित कई उल्लंघनों के लिए निर्देश, सलाह और चेतावनी के साथ पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पॉलिसीबाजार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 4.2 करोड़ से ज्यादा बीमा पॉलिसी बेच चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में इरडा ने कहा कि कंपनी ने नियामकीय उल्लंघन करने के साथ ग्राहकों से भी धोखाधड़ी की है। इरडा ने कहा है कि बिना अप्रूवल के ही कंपनी ने दूसरी कंपनियों में भी डायरेक्टरशिप हासिल की है। इसके अलावा कंपनी को कई बीमा पॉलिसी को जोर देकर ग्राहकों को बेचने का दोषी पाया गया। इतना ही नहीं कंपनी ने कई प्रोडक्ट को अच्छा बताकर उसे रैंकिंग में टॉप पर रखा, ताकि ग्राहकों को गुमराह करके इन उत्पादों को बेचा जा सके। कंपनी ने इन उत्पादों को बेहतर बताने के पीछे कोई कारण भी नहीं बताया और न ही ग्राहकों को कोई सलाह दी। इरडा ने बताया कि पॉलिसीबाजार ने ग्राहकों से पैसे लेकर उसे इंश्योरेंस करने वाली कंपनियों को समय से पहले नहीं पहुंचाया। इस वजह से कंपनी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर जिन पांच प्रोडक्ट को बेस्ट बताकर टॉप पर दिखाया, उनमें सभी यूलिप प्लान थे, इसमें बजाज अलायंज गोल एश्योर, एडलवीज टोक्यो वेल्थ गेन प्लस, एचडीएफसी क्लिक2 वेल्थ, एसबीआई लाइफ ई-वेल्थ इंश्योरेंस और आईसीआईसीआई सिग्नेचर शामिल हैं।

संबंधित पक्ष के लेनदेन में अब कारोबार के आधार पर तय होगी सीमा

सेबी के प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंडों में बदलाव करते हुए मैटेरियलिटी सीमा को सूचीबद्ध कंपनी के कारोबार से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। बाजार नियामक के इस प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। सेबी ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव किए जाने से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की जरुरत वाले संबंधित पक्ष के लेनदेन की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी आ सकती है। मौजूदा नियमों के तहत लेनदेन एक हजार करोड़ रुपए से अधिक या सूचीबद्ध कंपनी के कुल वार्षिक कारोबार के 10 फीसदी से ज्यादा हो तो उसे मैटेरियल माना जाता है।

बाजार नियामक ने सबके लिए समान दृष्टिकोण को बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बोझिल बताते हुए कुल कारोबार बढ़ने पर लेनदेन की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सूचीबद्ध कंपनियों को मैटेरियल संबंधित पक्ष के लेनदेन करने के लिए शेयरधारकों और ऑडिट समिति से मंजूरी लेनी होती है। नए मानदंडों में अगर वार्षिक कुल कारोबार 20 हजार करोड़ तक है तो संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा 10 फीसदी होगी। अगर कारोबार 20,001 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ के बीच है तो यह सीमा तभी लागू होगी जब लेनदेन 2,000 करोड़ रुपए का हो और सूचीबद्ध कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार का पांच फीसदी हो।

अगर कुल कारोबार 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का है तो उसके लिए यह सीमा 3,000 करोड़ रुपए के साथ कुल कारोबार का 2.5 फीसदी या 5,000 करोड़ रुपए होगी। सेबी ने कहा है कि 5,000 करोड़ रुपए की सीमा अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंड वित्तीय स्थिति को देखते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न रिसर्च के श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि यह छूट तभी व्यावहारिक होगी जब

संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी खुलासे ऑडिट समितियों और शेयरधारकों के समक्ष किए जाएं।

अब टेस्ला ने किया दिल्ली का रुख, 11 अगस्त को करेगी दूसरा शोरुम लॉन्च

कंपनी ने भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय किया पेश

नई दिल्ली।

एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की अब भारत पर नजर है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के बाद अब दिल्ली का रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 11 अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी में अपना दूसरा शोरूम लॉन्च कर रही है। यह इलाका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है और हाई-एंड कमर्शियल हब के रूप में जाना जाता है।

दिल्ली में शोरूम खोलने का फैसला ऐसे समय लिया है जब टेस्ला ने हाल ही में भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के लोग ही अपनी रुचि दर्ज कर सकते थे। इससे यह साफ़ है कि कंपनी का शुरुआती फोकस मेट्रो शहरों पर है। टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मॉल में अपने पहले शोरूम से की थी। इस शोरूम में टेस्ला के दो वेरिएंट मॉडल वाय रेयर व्हील ड्राइव आरडब्ल्यूडी और लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी को प्रदर्शित किया है, जिन्हें कंपनी ने अपने शंघाई स्थित प्लांट से भारत में मंगवाया है। कंपनी ने बताया है कि आरडब्ल्यूडी मॉडल की डिलीवरी तीसरी तिमाही के अंत तक शुरू हो जाएगी, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की डिलीवरी चौथी तिमाही में की जाएगी। इससे साफ़ है कि कंपनी भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक ठोस प्लान के साथ आगे बढ़ रही है।

भारत में टेस्ला ने मॉडल वॉय के दो वर्जन पेश किए एक बेसिक रेयर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और दूसरा लॉन्ग-रेंज आरडब्ल्यूडी। बेसिक आरडब्ल्यूडी वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत 59.89 लाख रखी गई है, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 67.89 लाख है। ऑन-रोड आरडब्ल्यूडी मॉडल की कीमत 61.07 लाख तक पहुंच सकती है और लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 69.15 लाख तक जा सकती है। टेस्ला मॉडल वॉय आरडब्ल्यूडी वर्जन में ग्राहक को दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। 60 के डब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच। इसमें एक सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो करीब 295 हॉर्सपावर की ताकत देती है।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने किए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित

नई दिल्ली ।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 31 फीसदी की उछाल के साथ 88,045 यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने 67,265 यूनिट थी। यह इजाफा सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि यह बताता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय सड़कों से लेकर राइडर्स के दिलों तक अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है।

घरेलू बाजार में कंपनी ने 76,254 यूनिट्स बेचीं, जो बीते साल जुलाई की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा हैं। बुलेट, क्लासिक और हंटर जैसे मॉडल्स की लोकप्रियता आज भी भारत में बनी हुई है। खास बात यह है कि केवल भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रॉयल एनफील्ड की मांग तेजी से बढ़ी है। जुलाई 2025 में कंपनी का निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 11,791 यूनिट पहुंच गया, जबकि जुलाई 2024 में यह आंकड़ा 6,057 यूनिट था। इस प्रदर्शन को लेकर कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि 'हंटर 350' को देश और विदेश में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी सिर्फ वाहन नहीं बेचती, बल्कि एक संपूर्ण राइडिंग

कल्चर को बढ़ावा देती है। उनका कहना है कि रॉयल एनफील्ड का फोकस इनोवेशन, वैश्विक विस्तार और राइडर्स के साथ मजबूत जुड़ाव पर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025: 7187 रन, 21 शतक और 28 अर्धशतक, सीरीज में बने कई बड़े रिकॉर्ड्स

लंदन (एजेंसी)। भारत ने पांचवे और अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 367 रनो पर आउट हो गई। जिससे पांच मैचो की सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कुल 7187 रन बने। जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन योग है। इस रिकॉर्ड में सबसे बड़ा रन योग 1993 की एशेज सीरीज के दौरान बनाए गए 7221 रनो का है।

इस सीरीज में 21 शतक लगे जो किसी भी टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा शतक है। शतक बनाने वाले बल्लेबाजो में शुभमन गिल, जो रूट, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत, हैरी ब्रुक, बेन डकेट, जेमी स्मिथ, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, ओली पोप और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे।

दोनो टीमो ने 14 बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया, जिससे किसी भी टेस्ट सीरीज का नया रिकॉर्ड बना। भारत ने इनमें से आठ बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया। जो किसी भी टीम द्वारा किसी एक सीरीज में बनाया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्कोर है। जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनो के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। किसी भी अन्य टीम ने एक सीरीज में छह से ज़्यादा ऐसे स्कोर नही बनाए है।

भारत ने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा व्यक्तिगत 50+ स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया, जिसमें 28 ऐसे स्कोर शामिल है। इंग्लैंड ने 32 के साथ इसे थोड़ा बेहतर किया।

ओवल में भारत की छह रन की जीत टेस्ट इतिहास में उनकी सबसे कम अंतर से जीत भी थी। यह पहली बार था जब भारत ने घर से बाहर किसी सीरीज का पांचवा टेस्ट जीता। इसके साथ इंग्लैंड ने 2018 के बाद से भारत के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नही जीती है।

मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजों पर नही: भारत की ऐतिहासिक जीत पर बोले मोहम्मद कैफ

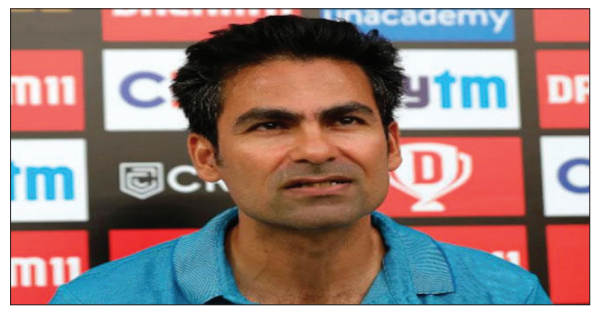

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट में जीत के लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की जमकर तारीफ की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, जिसके बाद ट्रॉफी दोनो टीमो के बीच साझा हो गई।

ओवल में भारत के लिए यह एक शानदार जीत थी, क्योंकि चौथे दिन वे मैच में पिछे नजर आ रहे थे। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनो की ज़रूरत थी और उसके चार विकेट बाकी थे। इसलिए यह कहना गलत नही होगा कि वे मैच जीतने के प्रबल दावेदार थे। हालांकि, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम 374 रनो के लक्ष्य से चूक गई और 367 रनो पर ढेर हो गई।

इस पर कैफ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सबसे पहले, मुझे नही लगता कि ज़्यादा लोगो ने इस भारतीय टीम को मौका दिया था। वे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना इंग्लैंड गए थे। शुभमन गिल नए कप्तान थे, और इस पर भी सवाल उठे थे। कुछ विशेषज्ञो ने 3-1 या 4-1 से हार की भविष्यवाणी की थी। लेकिन इस भारतीय टीम ने दिखा दिया कि मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजो पर नही।' ओवल में जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी लाभ हुआ और वह 46.67 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया, जो इंग्लैंड से बेहतर है, जो 43.33 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है।

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज

लंदन (एजेंसी)। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।'

बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।'

सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।'

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबसे जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फ्रैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

टिम डेविड पर लगा जुर्माना, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया। डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े। डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

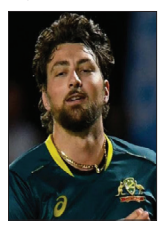

एशिया कप 2025 से पहले फिट हुए सूर्याकुमार यादव, एनसीए ट्रेनिंग में लिया हिस्सा

बेंगलुरु। टी20 इंटरनेशनल कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख शहर में स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी करवाई और अब वह अपनी रिकवरी के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गए हैं। उनके रिहैब से लेकर नेट ट्रेनिंग तक का सफर शुरू हो चुका है। बता दें कि, जून 2025 में सूर्या की जर्मनी में सर्जरी हुई जो पूरी तरह से सफल रही।

दरअसल, अगस्त 2025 की शुरुआत में बेंगलोर स्थित एनसीए में सूर्यकुमार यादव ने नेट ट्रेनिंग शुरू कर दी। ये उनकी सर्जरी के बाद पहली क्रिकेट प्रैक्टिस थी। ये ट्रेनिंग बहुत हल्की थी और मेडिकल टीम की निगरानी में थी। बीसीसीआई ने ये पुष्टि की कि, सूर्या अपने फिटनेस स्तर को धीरे-धीरे फिर से हासिल कर रहे हैं और वह एशिया कप कप 2025 के लिए पूरी तरह तैयार होने की राह पर चल रहे हैं। बता दें कि, एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। आईपीएल 2025 में सूर्या बेहतरीन फॉर्म में थे और उन्होंने 717 रन बनाए थे जो साई सुदर्शन के बाद किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। वह सचिन तेंदुलकर के बाद एक ही सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के दूसरे बल्लेबाज भी बने थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में फखर के बिना ही उतरेगी पाक टीम

फ्लोरिडा (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ अगस्त से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। फखर दूसरे टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। अब फखर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसए) में रिहैब के दौर से गुजरेंगे। इस दौरान पीसीबी का मेडिकल स्टाफ उनका ध्यान रखेगा। पीसीबी ने अभी तब एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

फखर इस साल दूसरी बार किसी टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया गया था। उन्हें उस समय ये चोट तब लगी जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने शाहीन अफरीदी की एक गेंद को कवर्स की तरफ खेला था। जिससे वह रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण उन्हें तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ा था।

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा 10 अगस्त और सीरीज आखिरी और तीसरी एकदिवसीय मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा! ये तीनों ही मैच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, तारूबा, त्रिनिदाद में खेले जाएंगेद्य।

पाकिस्तान टीम = सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, सूफियान मुकीम, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, अबरार अहमद, हुसैन तलत।

इंग्लैंड की टीम घबरा गई, आखिरी दिन उनका रवैया गलत था: माइकल वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लिश टीम के रवैये की आलोचना की है। सोमवार को 'केनिंग्टन ओवल' में मेजबान टीम को छह रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। माइकल वॉन ने सुबह के सत्र में इंग्लैंड के जोखिम भरे रवैये की आलोचना की। इंग्लैंड को मुकाबले के अंतिम दिन जीत के लिए महज 35 रन की दरकार थी। इंग्लैंड के पास चार विकेट शेष थे। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत ने मुकाबला अपने नाम करते हुए सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'मैं उस टीम (इंग्लैंड) पर बहुत सख्ती नहीं करना चाहता, जिसे इस हफ्ते बदकिस्मती का सामना करना पड़ा। वह शायद अपने सबसे महत्वपूर्ण क्रिकेटर के बिना मैदान में उतरे, और फिर पहले दिन एक प्रमुख गेंदबाज को खो दिया। इंग्लैंड को प्रभावी रूप से 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए छह रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसलिए मैं बहुत आलोचना नहीं करना चाहता।' उन्होंने लिखा, 'लेकिन सच बात यह है कि इंग्लिश टीम घबरा गई थी। जैसे-जैसे वह जीत के करीब पहुंचते गए, उन्होंने ज्यादा जोखिम उठाने की कोशिश की। आखिरी दिन उनका तरीका गलत था। यह बहुत जोखिम भरा था। अगर इसमें 15 ओवर लगते हैं, तो लगे। आपको पांच ओवर में 35 रन बनाने की जरूरत नहीं है। बस एक स्थिर दिमाग की जरूरत थी।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'अगर भारत इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। अगर दक्षिण अफ्रीका इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। यह इतनी भारी चूक थी। यह हार इंग्लैंड को सचमुच बहुत नुकसान पहुंचाएगी। जब आप जानते हों कि आपको मैच जीतना है, तो हार बहुत निराशाजनक होती है।' बता दें कि इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब मे इंग्लैंड की टीम 367 रन पर सिमट गई। सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि कृष्णा ने चार विकेट लेकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इंग्लैंड को हैरी ब्रुक (111) और जो रूट (105) के शतकों ने सहारा दिया, लेकिन अंत में यह नाकाफी साबित हुआ।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन, यूएस ओपन पर करना चाहतें हैं फोकस

सिनसिनाटी । 24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

टोरंटो। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-7(8), 6-4, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन (कैनेडियन ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने 75वें टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में, ज्वेरेव नोवाक जोकोविच (196) के साथ उस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

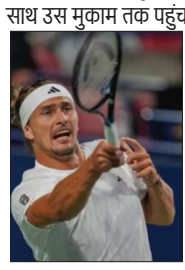

ज्वेरेव पिछले साल के रोलेक्स पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल के बाद पहली बार किसी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ज्वेरेव रॉडिक से आगे बढ़कर सीरीज के इतिहास में (1990 के बाद से) सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल (सातवीं बार) में पहुंचने वाले खिलाड़ी बने। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों के पास मिनीब्रेक लीड और सेट पॉइंट थे, लेकिन एक अच्छे नेटकॉर्ड ने शुरुआती फ्रेम पोपिरिन को दे दिया। ज्वेरेव ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया और दूसरे फ्रेम में 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय बढ़त बनाए रखी। गत चैंपियन ने दूसरे फ्रेम में वापसी की, लेकिन ब्रेक के कारण मैच निर्णायक गेम में पहुंच गया, जहां ज्वेरेव ने फिर से 3-0 की बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने नहीं छोड़ा। ज्वेरेव ने अपने पहले सर्व में 82 प्रतिशत अंक जीते और अपने अंतिम 17 में से 16 अंक सर्व पर हासिल किए। उन्होंने ड्रॉप-वॉली विनर के साथ मैच का शानदार समापन किया। सेमीफाइनल में उनका सामना रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें खिताब की तलाश में हैं।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन मैं इसे भूल चुका हूं: पहलवान अमन सहरावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए ज़िंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक ज़िम्मेदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं। लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया।

विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने पीटीआई से कहा, ''ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है।''

उन्होंने कहा, ''ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है।'' अमन ने कहा, ''इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं।''

शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, ''अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।''

अमन ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं।'' पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया।''

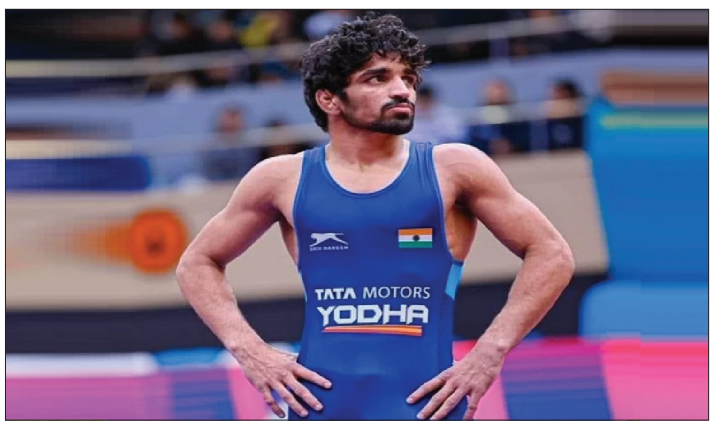

अमन ने कहा, ''ओलंपिक पदक जीतने के बाद हारने का डर भी मुझ पर हावी हो गया था। मैंने सोचा अगर मैं हार गया तो लोग कहेंगे कि सफलता ने मुझे बिगाड़ दिया है। इसलिए, कोचों ने कहा कि आप एक अलग स्तर पर हैं और मैट पर उतरने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के लोगों जाग जाओ... आखिरकार ऐसी अपील क्यों कर रहीं महबूबा

श्रीनगर (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 को खत्म करने की छठी वर्षगांठ पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यह बयान दिया था। उन्होंने कहा, देश के लोगों जाग जाओ क्योंकि महबूबा का मानना है कि यह फैसला न केवल जम्मू-कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक काला दिन था। महबूबा का आरोप है कि मोदी सरकार ने बहुमत का दुरुपयोग करके संविधान का उल्लंघन किया और इस तरह के फैसले से देश के संवैधानिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा है। वे मानती हैं कि आज जम्मू-कश्मीर के साथ जो हुआ है, भविष्य में देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसा हो सकता है। इसलिए, वह देश के लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक करना चाहती हैं। इस दिन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी इस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम भी हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई है। इस मामले पर 8 अगस्त को सुनवाई होनी है, जो इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है।

उदयपुर की होटल में रेव पार्टी में पुलिस की रेड, 11 युवतियों समेत 50 गुजराती हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान की उदयपुर पुलिस ने शहर के पास कोडियात रोड स्थित होटल गणेश होटल में चल रही रेव पार्टी में रेड कर 11 युवतियों समेत 50 जितने गुजरातियों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों से उदयपुर पुलिस कर रही है। होटल में सभी दस्तावेजों की जाँच और पूछताछ की जा रही है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस इस मामले को स्पष्ट करेगी। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि उदयपुर कोडियात रोड स्थित होटल गणेश रेस्टोरेंट में रेव पार्टी और देह व्यापार चल रहा है। सूचना के आधार पर शनिवार देर रात डीएसपी सूर्यवीरसिंह राठौड़ के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस कर्मियों ने होटल पर छापा मारा। इस दौरान शराब समेत आपत्तिजनक सामग्री परोसी जा रही थी। पुलिस की छापेमारी से हड़कंप मच गया। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उदयपुर के पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के मुताबिक गणेश होटल में रेव पार्टी और देह व्यापार की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें 50 जितने युवक-युवतियां पकड़े गए हैं। इनमें से ज्यादातर उदयपुर के बाहर से आए पर्यटक हैं। पूछताछ जारी है और सभी के पहचान पत्र देखे जा रहे हैं। भारी मात्रा में नशीला पदार्थ भी मिला है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में जुटी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। इन बदलावों में मुख्य रूप से प्रत्येक बटालियन में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को शामिल करना शामिल है। इस बदलाव में मुख्य रूप से बटालियन में शामिल पैदल सेना, तोपखाने और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ यूएवी और ड्रोन रोधी इकाइयों को भी शामिल करना है। हालांकि सेना की सभी इकाईयां ड्रोन्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन्हें अभी भी छोटे रूप में ही इस्तेमाल किया जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इनका महत्व जगजाहिर हो गया है। इन बदलाव के तहत प्रत्येक बटालियन स्तर पर यूएवी, ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यह कदम भविष्य के युद्धों और बदलती तकनीकों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिली सफलता और अनुभवों के आधार पर इन प्रणालियों के महत्व को पहचाना है। पहले भी ड्रोन का उपयोग होता था, लेकिन अब उन्हें बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित तरीके से शामिल किया जाएगा। नई प्रणाली के तहत, प्रत्येक बटालियन में इन प्रणालियों को संचालित करने के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएंगी। इन टीमों के कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं सेना 30 नई हल्की कमांडो बटालियन, जिन्हें भैरव यूनिट नाम दिया गया है, बनाने की भी तैयारी कर रही है। प्रत्येक यूनिट में 250 सैनिक और उन्हें सटीक अभियानों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

मायावती ने अफवाहों पर लगाया विराम....न एनडीए और न ही इंडी गठबंधन में बसपा

मीडिया के कुछ समूह उनकी पार्टी की छवि को खराब करने में जुटे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बयान जारी कर साफ किया है कि उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

उन्होंने कहा कि बसपा न बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में है और न ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन में है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि उनकी पार्टी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के अंबेडकरवादी सिद्धांतों पर चलती है, और वह इन दोनों गठबंधनों से अलग है। उन्होंने मीडिया के कुछ वर्गों पर बसपा की छवि को खराब करने और राजनीतिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक यूट्यूब चैनल ने बीजेपी के साथ आ आई मायावती कर दिया बड़ा ऐलान? शीर्षक से गलत और तथ्यहीन खबर चलाई, जबकि खबर का अंदरूनी हिस्सा कुछ और था। उन्होंने इस तरह के प्रयासों की निंदा कर कहा कि चैनल को माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे ऐसे राजनीतिक षड्यंत्रों से सावधान रहें और किसी के बहकावे में न आएं, क्योंकि जातिवादी तत्व हमेशा अंबेडकरवादी विचारधारा को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्रों में लगे रहते हैं।

थरूर, मनीष के बाद कीर्ति चितंबरम ने राष्ट्रीय हित को प्रथम बताया... राहुल गांधी की रणनीति के उलट

क्या ये बयान के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनदिनों कांग्रेस (आईएनसी) के भीतर एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति चितंबरम जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी लाइन से हटकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। इस बीच, कार्ति चितंबरम का हालिया बयान ने कांग्रेस पार्टी में एक नई बहस छेड़ दी है। कार्ति चितंबरम का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से असहमति जता चुके हैं।

कार्ति ने पोस्ट में लिखा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में काम करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरी बातों से प्रभावित हो जाना चाहिए। कार्ति की यह टिप्पणी भारतीय विदेशी सरकार के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें रूस से तेल आयात को लेकर यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना का जवाब दिया गया था।

कांग्रेस नेता कार्ति का पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रहार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत को रूस से सैन्य और ऊर्जा खरीद के लिए आड़े हाथों लिया था। कीर्ति की पोस्ट को लेकर अब सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं, जहां कुछ यूजर्स ने बयान को राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती' करार दिया, वहीं कुछ ने इन बयानों को 'कांग्रेस में नई सोच' की शुरुआत बताया।

इसके पहले, शशि थरूर और सांसद मनीष तिवारी ने भी राष्ट्रीय हित को पार्टी हित से ऊपर रखने की बात कही थी। शशि थरूर जिनसे आजकल कांग्रेस आलाकमान के करीबी नेता नाराज चल रहे है। उन्हें हाल के दिनों में कई बार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते दिखे हैं। उन्होंने रूस और अमेरिका के साथ संतुलित रिश्तों की वकालत की है। इसी तरह, मनीष तिवारी ने संसद में चर्चा के दौरान कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति अपनानी चाहिए, भले ही यह पार्टी के कुछ नेताओं की राय से मेल न खाए।

लेकिन कांग्रेस के इन नेताओं का बयान राहुल गांधी की बातों के उलट दिखाता है। पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तकज राहुल गांधी केंद्र की नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं। इसके पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस को 'डेड इकॉनमी' कहा था, तब भी इस पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर कई प्रश्न उठे थे। राहुल गांधी ने ट्रंप की इस बात को सही बताकर भारत की अर्थव्यवस्था को मृत करार दिया था। उनके इस बयान की खूब आलोचना हुई थी।

इस हिसाब से थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति का राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का रुख कांग्रेस में एक नई बहस छेड़ सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राहुल गांधी बदलाव को स्वीकार करते हैं, या वे इन बयान को अपने नेतृत्व के लिए चुनौती के रुप में स्वीकार करते है। पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है। क्या वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाएगी या अपनी आंतरिक एकता को प्राथमिकता देगी? आने वाले दिनों में ही सवाल

का जवाब साफ हो सकेगा कि क्या राहुल गांधी नाराज होते हैं या वे इस नई सोच को अपनाएंगे।

लाल किले की सुरक्षा में बड़ी चूक, पांच अवैध बांग्लादेशी पकड़ाए!

-मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा में अनदेखी करने पर 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले, जहां हर साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराया जाता है, वहां गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। पुलिस ने पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लाल किले में जबरन घुसने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया। मॉक ड्रिल के दौरान नकली बम को न पकड़ पाने के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। पकड़े गए पांचों युवक बांग्लादेश के अवैध नागरिक हैं। इनकी उम्र करीब 20 से 25 बताई जा रही है। वे दिल्ली में मजदूरी का काम करते थे और उनके पास से कोई वैध कागज़ात नहीं मिला है। पुलिस को इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है कि वे लाल किले में क्यों घुसना चाहते थे? क्या इनका मकसद कोई अपराध या आतंकी गतिविधि थी? क्या इनके पीछे कोई गैंग या संगठन है?

दिल्ली पुलिस स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा को परखने के लिए मॉक ड्रिल कर रही है। शनिवार को की गई एक ऐसी ही मॉक ड्रिल में सुरक्षा की बड़ी चूक सामने आई। पुलिस की स्पेशल सेल का एक सदस्य साधारण कपड़ों में एक डमी बम लेकर लाल किले के पास पहुंचा, लेकिन वहां तैनात पुलिसकर्मी इस नकली बम को पहचान ही नहीं सके। इसी लापरवाही के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। लाल किला देश की सर्वोच्च सुरक्षा वाली जगहों में से एक है, खासकर 15 अगस्त के मौके पर जब पीएम समेत देशभर से नेता और अधिकारी वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में अवैध घुसपैठ और डमी बम की अनदेखी जैसी घटनाएं देश की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी हैं। दिल्ली पुलिस ने लाल किले और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा, डॉग स्क्वॉड, और बम डिटेक्शन यूनिट को एक्टिव कर दिया है। अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू की गई है।

पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता जयराम का तंज... दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दोस्ती के दावों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनका रिश्ता देश के लिए महंगा साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रंप और पीएम मोदी के पुराने दोस्त होने के दावों को मज़बूत करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें फोटो खिंचवाना भी शामिल था। कांग्रेस सांसद रमेश ने बताया कि एक लोकप्रिय गाना है दोस्त दोस्त न रहा। पीएम को भी यह गाना पता होगा।

रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा। उन्होंने हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने कहा अबकी बार अमेरिका में ट्रंप सरकार। दोनों ने खूब फोटो खिंचाई। हमारे विदेश मंत्री ट्रंप के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पहली पंक्ति में बैठे थे। दावा किया गया कि पीएम और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच एक खास रिश्ता है, कि वे पुराने दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि उसी पुराने दोस्त के द्वारा भारत पर अतिरिक्त टैरिफ़ लगाने की धमकी दी जा रही है और रूस से तेल न ख़रीदने के लिए कहा जा रहा है, रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि यह दोनों नेताओं के बीच ख़ास रिश्ते का नतीजा है।

रमेश ने कहा कि इस सबका नतीजा क्या है? टैरिफ़ बढ़ाने की धमकियाँ दी जा रही हैं। हमें रूस से तेल न ख़रीदने की धमकी मिल रही है। यह दोस्ती बहुत महंगी साबित हुई। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। सालों से वह दावा करते रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनके बीच ख़ास रिश्ता है, वे गले मिलते हैं, तस्वीरें खिंचवाते हैं और बातचीत करते हैं। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि ट्रंप 32 से ज़्यादा बार दावा कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर उनकी वजह से रुका था।

चिराग खेल रहे डबल गेम, एक तरफ तारीफ तो दूसरी तरफ नीतीश को दे रहे टेंशन

-राजनीति के जानकारों का मानना- वह एनडीए में रहते अपनी जमीन कर रहे मजबूत

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीते दिनों बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नीतीश सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी हावी हैं और प्रशासन नतमस्तक हैं। चिराग का निशाना सीएम नीतीश कुमार पर माना जा रहा था। वही, दूसरी ओर चिराग यह भी कहते हैं कि वे एनडीए में थे, हैं और रहेंगे। उनका यह दोहरा रुख राजनीतिज्ञों को चक्कर में डाल देता है। राजनीति के जानकारों की नजर में उनकी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे एनडीए में रहते हुए अपनी सियासी मजबूत कर रहे हैं।

चिराग ने कहा कि महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं, लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा गठबंधन से ऊपर नहीं है। उन्होंने नीतीश के नेतृत्व में एनडीए के चुनाव लड़ने की बात दोहराई, लेकिन चिराग पासवान के बयानों से साफ है कि वे बिहार में अपनी पार्टी की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। बता दें 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसने जेडीयू को नुकसान हुआ था। इस बार भी उनकी रणनीति सीट बंटवारे में बड़ा हिस्सा लेने की बताई जा रही है।

चिराग और नीतीश के रिश्ते लंबे समय से असहज रहे हैं। वर्ष 2020 में चिराग ने एनडीए से अलग होकर जेडीयू को 34 सीटों पर नुकसान पहुंचाया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व का समर्थन करते हुए भी वे बिहार की कमियों को उजागर कर रहे हैं। उनके समर्थकों के पोस्टर में चिराग के स्वागत को तैयार है बिहार लिखा रहता है। जानकारों की नजर में यह उनकी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा को जाहिर करता है।

चिराग पासवान और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आपसी तारीफें भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दोनों नीतीश सरकार की आलोचना करते हैं जिससे नए समीकरण की अटकलें लगने लगी हैं। हालांकि चिराग ने साफ कहा है कि उनकी प्राथमिकता एनडीए के साथ है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही वह चुनाव लड़ेंगे। उन्होने यह कहा है कि आने वाले पांच सालों तक नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। हालांकि बीच-बीच में चिराग की पीके की तारीफ को लेकर कन्फ्यूजन भी है और प्रशांत किशोर की यह तारीफें भविष्य में गठजोड़ की संभावना को जन्म दे रही है।

राजनीति के जानकार कहते हैं कि चिराग की रणनीति बिहार में दलित और गैर-यादव पिछड़े वर्गों में पैठ बढ़ाने की है। उनकी 'बिहार

फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की नीति युवाओं और बहुजन समुदायों को आकर्षित कर रही है। 2025 के विधानसभा चुनाव में वे ज्यादा सीटें हासिल कर किंगमेकर की भूमिका निभाना चाहते हैं। जाहिर है चिराग एक ओर नीतीश को समर्थन देने की बात कहते हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी सियासी महत्वाकांक्षा भी जाहिर हो रही है जिससे एनडीए में तनाव बढ़ रहा है।

मुंबई में 51 कबूतरखाने बंद, हाईकोर्ट के आदेश के बाद 100 लोगों का कट गया चालान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के निर्देश और बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने दादर कबूतरखाना में कबूतरों को दाना डालने पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया से बात करते हुए, सहायक नगर आयुक्त जयदीप मोरे ने कहा कि हम हाईकोर्ट और राज्य सरकार के आदेशों का पालन करते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। हम बस अपना काम कर रहे हैं। नगर निगम ने कबूतरों की बीट से होने वाले गंभीर श्वसन स्वास्थ्य जोखिमों का हवाला देते हुए 2 अगस्त को इस इलाके को सील कर दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 30 जुलाई को अपने आदेश में उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाने के अलावा बीएनएस की धारा 271 के तहत एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया था।

गुरुजी शिबू सोरेन का व्यक्तित्व अतुलनीय था, आज पूरा झारखंड दुखी

- नेताओं ने जताया दुख, कहा- उनके किए कामों को नहीं भुलाया जा सकता

रांची (एजेंसी)। मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक और विधानसभा स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने बताया कि झारखंड में शिबू सोरेन को मंगलवार को नम आंखों से विदाई दी जाएगी। किसी व्यक्ति का पूरा जीवन कैसा रहा, उसे लेकर लोग क्या सोचते हैं, लोगों के बीच उसकी छवि कैसी रही, यह उसकी जिंदगी की अंतिम यात्रा के दौरान जाहिर हो जाता है। आज पूरा झारखंड दुखी है कि गुरु जी हमारे बीच नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि गुरुजी के नहीं रहने से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे विश्व में गम का माहौल है। वे हमारे अभिभावक थे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ कमाया। आज उनके चाहने वाले गमगीन हैं। आज बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए आ रहे हैं। गुरुजी का व्यक्तित्व अतुलनीय था।

महतो ने कहा कि गुरुजी को महामानव कहना ज्यादा उचित होगा। वे अपने जीवन

काल में झारखंड के लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहे। उनकी भूमिका को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता। वहीं इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जो कोई भी इस संसार में आया है, वह एक दिन हमें छोड़कर चला जाता है, और यह हमारे लिए दुख की बात है कि आज गुरुजी हमारे बीच नहीं रहे। उनका हमारे बीच नहीं रहना एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने सीएम पद पर रहते हुए झारखंड के लोगों के लिए कई ऐसे फैसले लिए जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने हमारे बीच एक ऐसा आदर्श छोड़ा है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

बीजेपी नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने शिबू सोरेन को लेकर कहा कि आज मैंने अपनी जिंदगी में अगर राजनीति में यह मुकाम हासिल किया है, तो उसकी मूल वजह गुरूजी ही हैं। उन्होंने ही हमें राजनीति का ककहरा सिखाया है। हम उनके साथ कई तरह के आंदोलन में शामिल हुए। वे हमारे मार्गदर्शक थे। उन्होंने आदिवासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कई काम किए। उन्होंने जल, जीवन और जंगल को बचाने के लिए कई कदम उठाए। झारखंड की जनता उन्हें कभी नहीं भूल सकती है। आज हम सब उन्हें नम आंखों से विदाई दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारी जोरों पर, पीओपी की मूर्तियों से हटा बैन

-इस साल मूर्तियों का कारोबार 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गणपति के स्वागत के लिए तैयारी जोरों पर हैं, बाजार में दुकानदार, कंपनियां, राजनीतिक दल और सरकार भी तैयारी में जुट गई है। इस बार मूर्तिकारों और गणेशोत्सव मंडलों में उत्साह है क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर काफी समय से चल रहा प्रतिबंध हट गया है। महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव को राजकीय उत्सव घोषित किया है। त्योहारों में उत्साह जितना होता है, कारोबार भी उतना ही ज्यादा होता है। गणेशोत्सव इस साल 27 अगस्त से शुरू होगा। बंबई हाईकोर्ट ने पीओपी से बनी 6 फुट से ऊंची मूर्तियों का ही विसर्जन समुद्र में करने की इजाजत दी है। 6 फुट तक की मूर्तियां कृत्रिम तालाबों और जल कुंडों में विसर्जित की जाएंगी। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि 6 फुट से ऊंची मूर्तियां समुद्र में विसर्जित करने की इजाजत दी जाए क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर

रोक मूर्तिकारों की रोजी-रोटी छीन सकती है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 2024 में 5 फुट तक की करीब 1.95 लाख मूर्तियों के विसर्जन के लिए 204 कृत्रिम टैंक बनवाए थे लेकिन केवल 85,000 मूर्तियों का विसर्जन इन टैंकों में किया गया और बाकी को समुद्र या नदियों में विसर्जित किया गया था। गणेशोत्सव में मूर्तियों का आकर्षण ही मूर्तिकार के कारोबार को करोड़ रुपए में पहुंचा देता है। विसर्जन की शर्त नरम करने से इस साल उनका कारोबार 15 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। पिछले कुछ साल में मिट्टी, पीओपी, कूची और रंग आदि के दाम बढ़ने से मूर्तियों के दाम भी बढ़ गए हैं और इस साल मूर्ति पिछले साल से करीब 10 फीसदी महंगी रहेंगी। एक मूर्तिकार बताया कि मूर्तियों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। मुंबई और आसपास के इलाके में 1 फुट की गणेश की मूर्ति 2,000 से 3,000 रुपए की है। पिछले साल गणेशोत्सव में करीब 550 करोड़ रुपए का मूर्तियों का कारोबार हुआ था, जो इस साल 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद है। गणेशोत्सव के पहले तो महाराष्ट्र के करीब हर हिस्से में मूर्तियां बनती है लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में मूर्तियों के कारखाने साल भर चलते रहते हैं। रायगढ़ जिले की पेण तहसील और इसके आसपास का क्षेत्र गणपति की मूर्तियों का केंद्र माना जाता है। गणेशोत्सव के 10 दिन और पितृपक्ष के 15 दिन छोड़कर महाराष्ट्र के कई इलाकों में साल भर घर-घर में 6 इंच से 12 फुट तक ऊंची मूर्तियां बनती रहती हैं। इस क्षेत्र में ऐसी 1,600 इकाइयां हैं, जिनका सालाना कारोबार 250 से 300 करोड़ रुपए का है और साल में 3 से 3.25 करोड़ मूर्तियां बनती हैं। इनमें से करीब 1.25 करोड़ मूर्तियां गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के थोक व्यापारियों के पास जाती हैं, जहां से वे पूरे देश में पहुंचाई जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में आत्मनिर्भर भारत और 21 स्वदेशी लाइट फील्ड गन करेगी आकर्षित

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में बड़े पैमाने पर प्रयोग किए गए स्वदेशी हथियारों से पाकिस्तान को बुरी तरह से धूल चटाने के बाद अब देश की सत्ता से जुड़े सामरिक गलियारों (रक्षा मंत्रालय) में 15 अगस्त यानी जश्न-ए-आजादी की 79वीं वर्षगांठ को जोरशोर से मनाने की तैयारियों का युद्धस्तर पर आगाज हो चुका है। जिसमें स्वदेशी के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत झलक देखने को मिलेगी। राष्ट्रीय ध्वज को दी जाने वाली 21 तोपों की परंपरागत सलामी के लिए देश में बनी 105 एमएम की लाइट फील्ड गन (एलएफजी) की प्रचंड गर्जना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समारोह के साक्षी बनने वाले हर खासो-आम के मन में राष्ट्रीयता की भावना तीव्र गति से हिलोरे मारने लगेगी। सूत्रों ने बताया कि सेना जल्द ही एलएफजी से दी जाने वाली इस सर्वोच्च सैन्य सलामी का अभ्यास शुरू करेगी।

संभवत-समारोह के लिए 7 तोपों का प्रयोग किया जाएगा, तीन राउंड फायर होंगे और सलामी की ये पूरी कवायद करीब 52 सेकंड में पूरी हो जाएगी। धमाके के लिए लाइव शेल नहीं बल्कि खासतौर पर डिजाइन किए गए कार्टेरिज और ब्लैंक राउंड्स का प्रयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह की अध्यक्षता करेंगे और उनका लालकिले की प्राचीर से देश के नाम संबोधन भी होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल में लालकिले से यह पीएम का दूसरा संबोधन होगा।

वर्ष 1947 में मिली आजादी के बाद लंबे अर्से तक देश के तमाम राष्ट्रीय पर्वों और कुछ अन्य आयोजनों में अंग्रेजों के शासनकाल की सैन्य सामग्री का इस्तेमाल ही चलन में रहा। लेकिन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा की सरकार के गठन के बाद इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी से जुड़ा हुआ है दो साल पहले 2023 में सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोह में तिरंगे को दी जाने वाली राष्ट्रीय सलामी के लिए स्वदेशी लाइट फील्ड गन का प्रयोग करने का निर्णय। जबकि पहले इन दोनों महत्वपूर्ण समारोह में ब्रिटिश 25-पाउंडर तोप का ही इस्तेमाल किया जाता था। ये तोपें द्वितीय विश्व युद्ध और नॉरमैंडी जैसे युद्धों में प्रयोग की जा चुकी हैं। सलामी के लिए प्रयोग की जाने वाली 105 एमएम की तोप केंद्रीय भारत स्थित मध्य-प्रदेश राज्य के जबलपुर में आयुध फैक्ट्री खमरिया में बनाई गई हैं। 80 के दशक में इन्हें सेना के युद्धक बेड़े में शामिल किया गया था। तोप लगभग 17 किलोमीटर तक मार कर सकती है। वजन में ये काफी हल्की हैं, जिसकी वजह से तीन के करीब सैन्यकर्मी आसानी से इन्हें संचालित कर सकते हैं। साथ ही इनकी मदद से सेना देश के पहाड़ी और दुर्गम ऊंचाई वाले बर्फीले रेगिस्तानी इलाकों में जरूरत पड़ने पर

दुश्मन के ठिकानों पर भी सटीकता के साथ अचूक वार कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चिली में ढही हुई खदान में फंसे चार खनिकों के शव बरामद

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की सबसे बड़ी तांबे की खदानों में से एक के ढहे हुए हिस्से में तीन दिनों से फंसे पांच खनिकों में से चार के शव मिल गए हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मृतकों की पहचान कर ली गई है। राजधानी सैंटियागो से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित एल टेनिएंटे खदान के बचावकर्मी अभी भी पांचवें खनिक की तलाश कर रहे हैं, जिसकी पहचान मोइसेस पावेज के रूप में हुई है। जीपीएस उपकरणों की मदद से फंसे हुए खनिकों का पता लगाया गया, लेकिन बचावकर्मियों को उन तक पहुंचने के लिए दर्जनों मीटर गहरी चट्टान खोदनी पड़ी। गुरुवार को 4.2 तीव्रता के भूकंप के बाद खदान का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें एक श्रमिक की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए।

न्यूजीलैंड में सूटकेस में बंद मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

वेलिंगटन, एजेंसी। रविवार को न्यूजीलैंड की एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बस चालक को बस के सामान डिब्बे में रखे एक सूटकेस में दो साल की बच्ची जिंदा मिली। पुलिस ने एक बयान में बताया कि ऑकलैंड के उत्तर में कैवाका बस्ती में एक निर्धारित स्टॉप के दौरान, जब बस चालक ने बस में रखे एक बैग के अंदर हलचल देखी। इसके बाद सूटकेस को खोला गया, तो उन्हें दो साल की बच्ची मिली। बच्ची शारीरिक रूप से ठीक थी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बच्ची कितनी देर तक सूटकेस में बंद थी। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे स्थानीय समयानुसार रविवार रात तक रखा गया।

नेपाल में हेरोइन रखने के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर मादक पदार्थ रखने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने बताया कि 32 वर्षीय मौलेश्वरन एन करुणई वेल को 4 किलोग्राम से थोड़ी अधिक सफेद हेरोइन के साथ पकड़ा गया। वह बैंकॉक से आया था और सुरक्षा जांच के दौरान उसके सूटकेस में ये दवाएं पाई गईं। पुलिस के अनुसार, एक अलग घटना में 66 वर्षीय अहमद फिरोज के पास से भी 4 किलोग्राम से अधिक सफेद हेरोइन बरामद हुई। वह शनिवार को बैंकॉक से थाई एयरलाइंस की उड़ान से आया था और आगमन लॉन पर सुरक्षा जांच के दौरान उसे पकड़ लिया गया। दोनों व्यक्तियों को आगे की जांच के लिए नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंप दिया गया।

मोंटाना में चार लोगों का संदिग्ध हत्यारा पूर्व अमेरिकी सैनिक अभी भी फरार

हेलेना, एजेंसी। मोंटाना के एक बार में चार लोगों की हत्या का संदिग्ध पूर्व अमेरिकी सैनिक अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि वह कपड़ों और कैंपिंग के सामान से भरी एक चोरी की गाड़ी में भाग गया था, उसके पास हथियार होने की आशंका है। अधिकारियों का मानना है कि 45 वर्षीय माइकल पॉल ब्राउन ने शुक्रवार सुबह मोंटाना के एनाकोंडा स्थित द आउल बार में चार लोगों की हत्या कर दी। यह बार मिसौला से लगभग 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में पहाड़ों से घिरी एक घाटी में स्थित है। मोंटाना के अटॉर्नी जनरल ऑस्टिन नुडसेन ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ब्राउन ने एक राइफल से गोलीबारी की, जिसके बारे में कानून प्रवर्तन अधिकारियों का मानना है कि वह उसका निजी हथियार था। पीड़ितों की उम्र 59 से 74 वर्ष के बीच थी और उनमें एक महिला बारटेंडर और तीन पुरुष ग्राहक शामिल थे।

अमेरिकी खुफिया निदेशक से मिले भारतीय दूत क्वात्रा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनालड ट्रंप के टैरिफ घमासान के बीच भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। दोनों के बीच आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। क्वात्रा ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, डीएनआई तुलसी गबार्ड और उनके पति अब्राहम विलियम्स से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमने आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। शनिवार को भारत ने अमेरिका में आठ और वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र (आईसीएसी) खोले थे। इनको मिलाकर अमेरिका में केंद्रों की कुल संख्या 16 हो गई है। इस अवसर पर क्वात्रा ने कहा था कि भारत-अमेरिका साझेदारी के मूल में लोगों के बीच आपसी संबंध हैं।

पाकिस्तान-ईरान द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर सहमत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और ईरान ने रविवार को द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 3 अरब अमेरिकी डॉलर वार्षिक से बढ़ाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति जतायी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने 12 समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। सरकारी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' (एपीपी) के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नये द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य की घोषणा की। इस वार्ता के दौरान उन्होंने अपनी साझा सीमा पर आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की। सहमति सुबह पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान और ईरान के उद्योग, खान एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद अताबाक के बीच हुई बैठक में बनी। शरीफ ने कहा कि ईरान को परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग का अधिकार है, जो इजराइल के साथ वर्तमान संघर्ष का मूल कारण रहा है। शरीफ ने कहा, ÷पाकिस्तान शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा प्राप्ति के लिए ईरान के साथ खड़ा है। उन्होंने ईरान पर हाल ही में हुए इजराइली हमलों की निंदा की और देश की मजबूत रक्षा के लिए तेहरान की सराहना की। एपीपी के अनुसार, शरीफ और पेजेशकियन की उपस्थिति में पाकिस्तान और ईरान ने 12 समझौतों और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। इनमें व्यापार, कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, सूचना एवं संचार, और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। एपीपी ने कहा, ''प्रधानमंत्री शरीफ ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान और ईरान का नेतृत्व द्विपक्षीय व्यापार को यथाशीघ्र 10 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य तक बढ़ाने के लिए उत्सुक है।'' दोनों नेताओं ने आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की और अपनी साझा सीमा पर आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। पेजेशकियान ने कहा कि हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों में दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने से संबंधित एक समझौता भी शामिल है। एपीपी ने कहा कि राष्ट्रपति पेजेशकियान ने इस बात पर संतोष जताया कि ÷दोनों पक्ष विविध क्षेत्रों में सहयोग के लिए गंभीर और ईमानदार प्रयास कर रहे हैं, और अपने वर्तमान 3 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुमानित लक्ष्य तक ले जाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।÷ राष्ट्रपति पेजेशकियान शनिवार दोपहर लाहौर पहुंचे और शाम को राजधानी के लिए रवाना हुए। इस बीच, अताबाक के साथ खान की बैठक के बाद, पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच उच्च-स्तरीय चर्चा ने व्यापार में तेज़ी लाने, सीमा संबंधी बाधाओं को दूर करने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विश्वास-आधारित साझेदारी बनाने के लिए दोनों पक्षों की ओर से नयी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

यूक्रेनी सेना में महिलाओं की संख्या दोगुनी हुई : साढ़े तीन साल में 1 लाख पहुंची

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस युद्ध के बीच यूक्रेन की सेना में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। बीते साढ़े तीन साल में सेना में महिलाओं की संख्या बढ़कर एक लाख हो गई है। फिलहाल यूक्रेनी सेना में कुल 10 लाख सैनिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद महिलाएं सेना में शामिल होने के ?लिए खुद आगे आ रही हैं। सशस्त्र बलों की सलाहकार ओक्साना ग्रिगोरिएवा बताती हैं कि रूस के खिलाफ फिलहाल साढ़े पांच हजार महिलाएं सीधे मोर्चे पर हैं।

ये महिलाएं ड्रोन से लेकर सीधे मोर्चे पर तोपें संभाल रही हैं। इसके अलावा ये मेडिकल सपोर्ट, फ्रंटलाइन ट्रांसपोर्ट जैसी ड्यूटीज भी निभा रही हैं। बता दें कि 2022 में रूस के आक्रमण से पहले सेना में 15त्न महिलाएं थीं। अब उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। ग्रिगोरिएवा कहती हैं कि सैन्य स्कूलों और कॉलेजों में अब 20त्न छात्राएं हैं, जो बड़ा बदलाव है।

ब्रिगेड में पुरुषों से भी ज्यादा मजबूत महिला सैनिक अलीनात्न पूर्व पेशेवर हेप्टाथलीट अलीना शुख ने शुरू में प्रतिष्ठित अजोव ब्रिगेड में भर्ती होने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बताया गया कि उनके लिए कोई पद नहीं है। इसके बाद वे खर्टिया ब्रिगेड में शामिल हुईं। शुख कहती हैं कि वह अपनी ब्रिगेड में ज्यादातर पुरुष सैनिकों से मजबूत हैं। वहीं, तोपखाने की कमांडर ओल्हा बिहार कहती हैं कि टेक्नोलॉजी युद्ध को बदल रही है। अब सबसे अच्छा सैनिक ड्रोन पायलट हो सकता है, जिनकी उंगलियां तेज चलती हैं। वे कहती हैं कि मुझे उम्मीद है कि मैं एक दिन रक्षा मंत्री बनूंगी।

इनविजिबल बटालियन के एक रिसर्च प्रोजेक्ट में मदद करने वाली मारिया बर्लिंस्का रूस के शुरुआती आक्रमण के बाद से महिलाओं के लिए ज्यादा भूमिकाएं खोलने की कोशिश कर रही हैं। वे बताती है, हर युद्ध ने तकनीकी प्रगति और महिलाओं की आजादी को बढ़ावा दिया है। कई महिलाएं कानून के बावजूद लड़ाई में हिस्सा ले रही थीं, जिसमें वे कुक और क्लीनर के रूप में रजिस्टर होती थीं। हालांकि, महिलाओं को भर्ती करने पर कोई राजनीतिक बहस नहीं हुई है। थिंक-टैंक फ्रंटियर इंस्टीट्यूट के येवगेन ह्लिबोवित्स्की कहते हैं कि यह जोखिम भरा हो सकता है।

महिला कमांडर द्विग यूक्रेनी सेना की पांच सदस्यों वाली एक महिला ड्रोन यूनिट का हिस्सा हैं। वे अपनी पांच महिला दोस्तों के साथ एक कैफे में रुकती हैं और मोइतो ऑर्डर करती है। वहीं, इस कैफे से कुछ दूर तोपों की गड़गड़ाहट सुनाई देती रही है। ट्विग की साथी टाइटन कहती हैं कि किलिंग शब्द का अर्थ हत्या है, जो गलत है। वह अपने काम को रशियन का सफाया कहना पसंद करती हैं। यूक्रेन सेना की सैनिक मारिया बर्लिंस्का कहती हैं कि ड्रोन उड़ाने में लड़का-लड़की का अंतर मायने नहीं रखता।

इजरायली बंधकों को सहायता देने को हमास तैयार, पर रख दी बड़ी शर्त; कब्जे में बचे अब कितने बंधक?

काहिरा, एजेंसी। गाजा में अभी भी कई इजरायली हमास के चंगुल में फंसे हुए हैं, जिनकी स्थिति काफी दयनीय हो चली है। हमास ने पिछले दिनों ऐसे ही बंधकों की दयनीय हालत बयां करता एक वीडियो साझा किया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय जगत में तीखी आलोचना हुई थी। अब हमास ने रविवार को कहा कि अगर इजरायल उसकी कुछ शर्तें पूरी करता है, तो वह गाजा में इजरायली बंधकों को सहायता पहुँचाने के लिए रेड क्रॉस के साथ समन्वय करने को तैयार है। हमास ने कहा कि वह रेड क्रॉस के साथ कोई भी सहयोग और समन्वय तभी करेगा, जह इजरायल गाजा पट्टी में स्थायी तौर पर मानवीय गलियारों को खोलेगा और वहां राहत और राशन वितरण के दौरान हवाई हमले रोकेगा। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अभी भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के ही जीवित होने की संभावना है। हमास ने अब तक ह्यूमन राइट संगठनों को इन बंधकों तक किसी भी तरह की पहुँच से रोक रखा है और परिवारों को उनकी स्थिति के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि शनिवार को, हमास ने दो दिनों में इजरायली बंधक एव्यातार डेविड का दूसरा वीडियो जारी किया था।

रूस और ईरान से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा चीन, अमेरिका की मांग को ठुकराया

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका, रूस और ईरान से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर सख्ती कर रहा है। हालांकि चीन ने अमेरिका की इस मांग को मानने से साफ इनकार कर दिया है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर भी बातचीत चल रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देशों में व्यापार समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन रूस और ईरान से तेल न खरीदने की बात पर चीन ने सख्त रुख अपनाया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि चीन हमेशा देशहित को ध्यान में रखते हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

अमेरिका ने 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीदने पर चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। जिस पर चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि चीन हमेशा देशहित को ध्यान में रखते हुए अपनी ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। चीन ने कहा कि दबाव बनाने और जबरदस्ती से कुछ हासिल नहीं होगा। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय सामने आई है, जब दोनों

देशों के अधिकारी स्टॉकहोम में व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। चीन के सख्त रुख पर तंज कसते हुए अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि जब रूस से तेल खरीदने की बात आती है, तब चीन अपनी संप्रभुता को बहुत गंभीरता से लेता है।

गौरतलब है कि अमेरिका का कहना है कि रूस से जो देश तेल खरीद रहे हैं, उससे रूस की सेना की मदद हो रही है और यूक्रेन में युद्ध जारी है। वहीं ईरान भी तेल बिक्री के पैसों से पश्चिम एशिया में आतंकी संगठनों को फंडिंग दे रहा है। ऐसे में अमेरिका में रूस और ईरान के वित्तपोषण पर रोक लगाना चाहते हैं। अमेरिका ने भारत पर भी इसके लिए 25 प्रतिशत टैरिफ और पेनल्टी लगाने की घोषणा की है। एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के प्रतिष्ठित फेलो डैनी रसेल ने कहा कि रूस से तेल खरीदना जारी रखने से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शी जिनपिंग की रणनीतिक एकजुटता बनी रहती है और चीन की आर्थिक लागत में भी उल्लेखनीय कमी आती है। उन्होंने कहा, बीजिंग, रूस और ईरान से तेल न खरीदने का जोखिम नहीं उठा सकता। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण रणनीतिक ऊर्जा आपूर्ति है, और बीजिंग इसे औने-पौने दामों पर खरीद रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन की 2024 की एक रिपोर्ट का अनुमान है कि ईरान द्वारा निर्यात किए गए तेल का लगभग 80 से 90 प्रतिशत चीन खरीद रहा है। चीन रूस का भी एक महत्वपूर्ण ग्राहक है, लेकिन रूस से समुद्री कच्चे तेल के निर्यात में भारत के बाद दूसरे स्थान पर है।

गाजा में इजरायली हमले नरसंहार नहीं, 7 अक्तूबर को बहुत क्रूरता हुई थी : डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजरायल के हमलों का बचाव किया है। उनका कहना है कि गाजा में इजरायल के हमले नरसंहार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 7 अक्तूबर को इजरायल में बहुत बुरा हुआ था। हमास के आर्तकियों ने वहां तबाही मचा दी थी और उसी के नतीजे में गाजा में जंग हो रही है। इस तरह उन्होंने गाजा में जारी इजरायल के हमलों का बचाव किया। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से पूछा था कि क्या आप भी मानते हैं कि गाजा में जो हो रहा है, वह नरसंहार है। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। वे जंग में हैं।

उन्होंने एक बात यह भी कही कि अमेरिका की ओर से फिलिस्तीन के लोगों को भुखे नहीं मरने दिया जाएगा। हम उन्हें राशन मुहैया करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम चाहते हैं कि लोगों को खाना मिले। इजरायल वहां सहायता मुहैया कराए। हम नहीं चाहते कि वहां कोई भुखमरी से मर जाए। इस तरह डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल

का बचाव किया है तो वहीं सहायता भी मुहैया कराने की बात कही है। गौरतलब है कि यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी की ओर से इजरायल से अपील की गई है कि वह सीजफायर कर दे। यही नहीं फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात भी इन देशों ने कही है।

इस बीच फिलिस्तीन में 92 लोग फिर से एक ही दिन में मारे गए हैं। इन लोगों की मौत रविवार को हुई, जिनमें से 56 लोग तो सहायता का इंतजार कर रहे थे। दरअसल गाजा में हालात ऐसे हैं कि भुखमरी से मौतों का भी डर है। गाजा पट्टी में राशन तक की किल्लत है और दवाओं के लिए भी लोग परेशान हैं। अरब मीडिया के अनुसार इन मौतों में 6 लोग ऐसे हैं, जिनकी भूख के चलते मौत हुई है। अरब न्यूज के अनुसार गाजा में अब तक 175 लोग खाने की कमी से मर गए हैं। इनमें 93 मासूम बच्चे शामिल हैं। बता दें कि गाजा में भुखमरी के हालात के बाद भी हमास सीजफायर के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। उसने अब तक हथियार डालने के संकेत भी नहीं दिए हैं।

टैरिफ लगाने के फैसले का ट्रंप ने किया बचाव, बोले- अमेरिका में बहुत पैसा आएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने के अपने फैसले का बचाव किया है। ट्रंप ने कहा कि ऐसा कई साल पहले कर दिया जाना चाहिए था। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ से मिलने वाले पैसों से अमेरिका अपना कर्ज उतारेगा।

मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम कर्ज का भुगतान करेंगे। देश में बहुत सारा पैसा आने वाला है और इतना पैसा देश में कभी एकसाथ नहीं आया होगा। इससे पहले कर्ज का भुगतान करेंगे। हमें ये कई साल पहले कर देना चाहिए था। मैंने अपने पहले कार्यकाल में चीन के साथ ये किया था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते अन्य देशों के साथ ऐसा नहीं हो सका।

ट्रंप ने कहा, मैं किसी तरह का दबाव नहीं, बल्कि निष्पक्षता चाहता हूं। हम जहां भी और जितना हो सके, पारस्परिक कर देखना चाहते हैं। कभी-कभी, यह उनके लिए बहुत ज़्यादा हो जाता है। यह एक बहुत बड़ी राशि होगी। और मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि इससे हमारा देश सैकड़ों अरब डॉलर कमाएगा। व्हाइट हाउस में आने के छह महीनों के भीतर ही ट्रंप ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को तबाह कर दिया और अमेरिका की आर्थिक ताकत का इस्तेमाल कर उन देशों को दंडित देना शुरू किया,

जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है।

अप्रैल में किया था टैरिफ का एलानत्न 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों से आयात पर 50 प्रतिशत तक पारस्परिक कर लगाने और लगभग सभी अन्य देशों पर 10 प्रतिशत आधारभूत कर लगाने की घोषणा की, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है। उन्होंने व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के लिए 1977 के एक कानून का हवाला दिया, जिसके जरिए उन्होंने अपने व्यापक आयात करों को उचित ठहराया। जब पारस्परिक करों की आलोचना हुई तो उन्होंने विभिन्न देशों को बातचीत का मौका देने के लिए पारस्परिक शुल्कों को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक : आग लगी

विस्फोट का वीडियो बनानी वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते घने काले धुएं के गुबार देखे जा सकते

हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि, रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे। रूस और यूक्रेन युद्ध थमने की जगह और भी ज्यादा गहराता जा रहा है। यूक्रेन और रूस दोनों ही एक-दूसरे के देशों में और भी ज्यादा अंदर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं। रूसी पक्ष की तरफ से दावा किया गया है कि यूक्रेन से आए ड्रोन उनके दक्षिणी शहर वोल्गोग्राद के एक रेलवे स्टेशन पर जाकर गिरे हैं, जिससे वहां की बिजली लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है और वहां चारो तरफ आग फैल गई। टेलीग्राम पर इस बात की जानकारी देते हुए वोल्गोग्राद शहर के गवर्नर आंद्रेई बोचारोव ने बताया कि आर्चेडा रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर यह ड्रोन गिरा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हनीट्रैप गैंग के खिलाफ 20 दिनों में 5 शिकायतें

पुलिस कमिश्नर ने पीड़ितों से की अपील –“आप एक कदम आगे बढ़ें, आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी, पुलिस आपके साथ है”

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में हनीट्रैप का जहर तेजी से फैल रहा है, जिसके चलते पिछले 20 दिनों में पुलिस के पास 5 मामले दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गेहलोत ने पीड़ित नागरिकों से आगे आकर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है। उन्होंने 'एक कदम आप आगे बढ़ें, सूरत पुलिस हमेशा आपकी मदद के लिए तैयार है' इस नारे के साथ लोगों को हिम्मत देने का प्रयास किया है।

पुलिस-पत्रकार बनकर गैंग के सदस्य लोगों को डराते-धमकाते हैं शहर में अलग-अलग गैंग हनीट्रैप की घटनाओं को अंजाम दे रही हैं। ये गैंग खास तौर पर हीरा व्यापारियों को निशाना बना रही हैं। महिलाएं इन व्यापारियों को फंसाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं, फिर वीडियो बनाकर और ब्लैकमेल कर उनसे लाखों रुपये वसूले जाते हैं। गैंग के सदस्य कभी खुद को पुलिस अधिकारी तो कभी फर्जी पत्रकार बताकर डराते-धमकाते हैं और पैसे ऐंठते हैं।

पुलिस पीड़ित की पहचान गोपनीय रखेगी: कमिश्नर हाल ही में SOG, कतारगाम और लस्काणा पुलिस स्टेशनों में ऐसे पांच केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें वीडियो रिकॉर्डिंग कर ब्लैकमेल करने की घटनाएं शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गेहलोत ने बताया कि पुलिस को इस गैंग की जानकारी मिली है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर कोई व्यक्ति इस तरह के हनीट्रैप का शिकार हुआ हो और ब्लैकमेल किया जा रहा हो, तो बिना डरे तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पुलिस उसकी पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखेगी और उचित कार्रवाई करेगी।

लोगों की हिम्मत से अपराधी कानून के शिकंजे में आएंगे पुलिस कमिश्नर ने पीड़ितों से डरमुक्त होकर शिकायत करने की अपील की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूरत पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है और ऐसे अपराधियों को सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अपील का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाना है। पुलिस के इस सकारात्मक रुख से पीड़ितों में हिम्मत बढ़ेगी और वे शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आएंगे, जिससे ऐसे अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

जानिए किन ट्रेनों पर पड़ेगा असर

45 दिनों के लिए बंद रहेगा उधना रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर 6

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पश्चिम रेलवे ने उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 की ऊंचाई बढ़ाने के कार्य के चलते 7 अगस्त से 45 दिनों का मेगा ब्लॉक घोषित किया है। इस दौरान प्लेटफॉर्म पूरी तरह से बंद रहेगा और वहां से आने-जाने वाली ट्रेनों को उधना के वैकल्पिक प्लेटफॉर्म से संचालित किया जाएगा।

गौरतलब है कि प्लेटफॉर्म नंबर 6 का उद्घाटन इसी साल जनवरी में किया गया था। हालांकि, होली और गर्मी की छुट्टियों के दौरान इसकी ऊंचाई कम होने के कारण यात्रियों को चढ़ने-उतरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद रेलवे ने इसे सुधारने का फैसला किया है।

मुंबई डिवीजन के सीनियर डिविजनल ऑपरेशंस मैनेजर के अनुसार, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का काम 5 अगस्त से शुरू हो गया है। इस प्रोजेक्ट के दौरान उधना पर समाप्त होने वाली कई ट्रेनों को सुरत स्टेशन पर शिफ्ट किया गया है।

ये ट्रेनें अब सूरत से चलेंगी:

19001- विरार-सूरत एक्सप्रेस
22827- पुरी-उधना एक्सप्रेस
69170- नंदुरबार-उधना मेमू
12935- बांद्रा टर्मिनस-उधना इंटरसिटी एक्सप्रेस
69178 - नंदुरबार-उधना मेमू

यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे ने कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म नंबर भी बदल दिए हैं। पहले जो ट्रेनें प्लेटफॉर्म 6 से चलती थीं, अब वे प्लेटफॉर्म नंबर 2, 3, 4 या 5 से चलेंगी।

प्रभावित ट्रेनें:

उधना-दानापुर एक्सप्रेस
उधना-पुरी एक्सप्रेस
उधना-बनारस एक्सप्रेस
उधना-पालघर मेमू

भुसावल और नंदुरबार की ओर जाने वाली ट्रेनों पर भी असर पड़ेगा

रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा से पहले प्लेटफॉर्म की अपडेट जानकारी अवश्य जांच लें और मेगा ब्लॉक के दौरान रेलवे कर्मचारियों से सहयोग करें।

इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्टॉपेज में बदलाव:

उधना-बांद्रा इंटरसिटी एक्सप्रेस (12935/12936) अब 7 अगस्त से उधना स्टेशन पर नहीं रुकेगी। इसकी जगह यह ट्रेन सूरत स्टेशन पर रुकेगी।

नई जानकारी:

12935 इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह 10:35 बजे उधना जंक्शन के बजाय सूरत स्टेशन पहुंचेगी।
12936 इंटरसिटी एक्सप्रेस शाम 4:25 बजे उधना जंक्शन के बजाय सूरत स्टेशन पहुंचेगी।

20 से अधिक असामाजिक तत्वों के घरों में चेकिंग

पुलिस का संगम सर्कल से मीठीखाड़ी इलाके तक रात का कॉम्बिंग ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के संवेदनशील माने जाने वाले लिम्बायत क्षेत्र में पिछले कुछ समय से बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लिम्बायत पुलिस और क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से रात में कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। हाल ही में हुए कपड़ा दलाल की हत्या के बाद पुलिस प्रशासन ज्यादा सक्रिय हो गया है और अपराधियों को कानून का डर दिखाने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है।

रात के समय पुलिस ने संगम सर्कल से लेकर मीठीखाड़ी इलाके तक के संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग की। इस कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान खासतौर पर असामाजिक तत्वों और पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस जांच के दौरान पुलिस ने लगभग 20 से अधिक अपराधियों की एक सूची तैयार की, जिन पर मारपीट, लूट, चोरी, हत्या का प्रयास और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं।

पुलिस की टीमें लिस्ट में शामिल अपराधियों के घरों पर एक के बाद एक पहुंची और चेकिंग की। इस दौरान सलमान लस्सी, आज़ाद चौक पतरानी चाल, सोयब सिटी, बैठी कॉलोनी और उमरसा बैठी कॉलोनी सहित कई इलाकों में बड़े अपराधियों के घरों की भी तलाशी ली गई। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से पूरे इलाके में डर का माहौल फैल गया। इस रेड के बाद कई अपराधी भूमिगत हो गए हैं।

पुलिस के इस रात के कॉम्बिंग ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना और असामाजिक तत्वों को कानून का डर दिखाना है। पुलिस के उच्च अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जो अपराधी फिलहाल फरार हैं, उन्हें पकड़ने के लिए भी पुलिस ने विशेष अभियान शुरू कर दिया है।

“फूल बंगले” में विराजे बाबा श्याम भक्तों की लगी भीड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सावन मास की शुक्ल एकादशी के उपलक्ष में वीआईपी रोड, वेसु स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में मंगलवार को फूल बंगला सजाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा बाबा का “फूल बंगला” सजाया गया। इसके लिए बैंगलोर, कोलकाता सहित अनेकों शहरों से मोगरा, जूही आदि के फूल मंगवायें गए।

भक्तों को बुधवार, द्वादशी के मौके पर भी च्फूल बंगलेज्ज का दर्शन होगा। फूल बंगले का दर्शन करने के लिए देर रात तक भक्तों का ताँता लगा रहा। इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला, वसंत अग्रवाल

वृन्दावन के “फूल बंगले” की तर्ज पर श्याम मंदिर प्रांगण को सजाया गया एवं बाबा श्याम का अद्भुत श्रृंगार किया गया। इस मौके पर कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा फूलों से

कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल, सहसचिव ओम सिहोटिया, दिनेश अग्रवाल सहकोषाध्यक्ष रामावतार सिहोटिया, राजेश अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

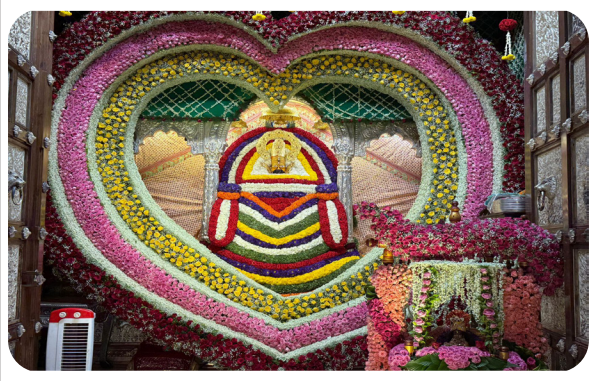

सूरत में खाड़ी किनारे स्थित सहजानंद क्षेत्र की 18 से अधिक संपत्तियों का डिमोलिशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में खाड़ी में बाढ़ की समस्या को रोकने के लिए हाई लेवल कमेटी के गठन के बाद खाड़ी किनारे के अवैध अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई तेज हो गई है। कुछ दिन पहले कोयली खाड़ी के किनारे स्थित जवाहर नगर की अवैध इमारतों को तोड़े जाने के बाद, आज सहजानंद क्षेत्र में भी अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। शुरुआत में डिमोलिशन का विरोध हुआ था, लेकिन एक के बाद एक अवैध निर्माणों को तोड़ने के चलते कई लोगों ने सहमति दे दी, जिससे नगर निगम की कार्रवाई आसान हो गई।

खाड़ी में बाढ़ को रोकने के लिए बनी हाई लेवल कमेटी के बाद नगर निगम और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल संभव हो पाया है। साथ ही, कमेटी की अध्यक्ष के रूप में सूरत की नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल की नियुक्ति के बाद खाड़ी में बाढ़ के लिए जिम्मेदार अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया और सरल हो गई है। इससे पहले, निगम के वराछा जोन द्वारा कोयली खाड़ी किनारे स्थित जवाहर नगर की अवैध संपत्तियों का डिमोलिशन किया गया था।

अब उसी कड़ी में सहजानंद क्षेत्र में खाड़ी किनारे स्थित अवैध संपत्तियों को हटाने का कार्य शुरू हुआ है। वराछा जोन द्वारा खाड़ी के किनारे स्थित बूट भवानी और सहजानंद क्षेत्रों में करीब 19 अवैध इमारतों को हटाने की योजना है। शुरुआत में कुछ स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, लेकिन चूंकि इस मामले में कोई कोर्ट केस नहीं था और नगर निगम द्वारा उन्हें समझाया गया, इसलिए लोगों ने सहयोग किया और डिमोलिशन के लिए तैयार हो गए।

10 वर्षों बाद ICMAI ऑफ WIRC के चेयरमैन पद पर गुजरात से CMA की नियुक्ति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रतिनिधि:वर्ष 2010 में CMA की डिग्री प्राप्त करने के बाद, CMA प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए कुछ ठोस करने के जज़्बे के साथ CMA मिहिर व्यास वर्ष 2013 में ICMAI के बड़ौदा चैप्टर से जुड़े थे। इसके बाद वर्ष 2023 में उन्होंने ICMAI ऑफ WIRC का चुनाव सबसे अधिक फर्स्ट प्रेफरेंस वोट से जीतकर अपना स्थान मजबूत किया और अब वर्ष 2025-26 के लिए WIRC के चेयरमैन के रूप में गुजरात से नियुक्त किए गए हैं। यह गौरव की बात है कि 10 वर्षों बाद किसी गुजराती CMA को WIRC का चेयरमैन बनाया गया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए ICMAI ऑफ WIRC के चेयरमैन CMA मिहिर व्यास ने कहा कि, CMA छात्र से लेकर WIRC चेयरमैन बनने तक का सफर आसान नहीं था,इसमें मुझे परिवार और प्रोफेशनल साथियों का बहुत सहयोग मिला। वर्ष 2023-24 में मुझे WIRC का सेक्रेटरी और वर्ष 2024-25 में वाइस प्रेसिडेंट बनने का अवसर मिला। इस दौरान मैंने स्टूडेंट कमेटी और एडिटोरियल बोर्ड की जिम्मेदारी निभाई। नासिक में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और 750 से 1000 छात्रों के लिए दो नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। साथ ही, CMA के पूर्व छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए ÒCMA राइजिंग स्टार' इवेंट की शुरुआत की गई। CMA छात्रों की परीक्षा तैयारी में मदद करने के लिए MCQ बुकलेट भी लॉन्च की गई थी। अब जब मुझे 2025-26 के लिए चेयरमैन नियुक्त किया गया है, तब WIRC के अंतर्गत आने वाले 26 चैप्टर्स में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कर, छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अनेक कार्यक्रमों और रूह्र की योजना बनाई जाएगी। इसके साथ ही, राज्य के को-ऑपरेटिव सेक्टर में CMA को उचित स्थान दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के लिए:

वाइस चेयरमैन नियुक्त हुए हैं CMA नैंटी शाह (सूरत)
सेक्रेटरी बने हैं CMA चैतन्य मोहरीर (पुणे)
कोषाध्यक्ष (ट्रेज़रर) बने हैं CMA अरिंदम गोस्वामी (रायपुर)

CMA मिहिर व्यास बने ICMAI ऑफ WIRC के नए चेयरमैन
राज्य के को-ऑपरेटिव सेक्टर में CMA को स्थान दिलाने का प्रयास

भाड़े का मकान और नौकरी पाने के लिए हिंदू नाम से बनाए फर्जी आधार कार्ड

सूरत पुलिस ने दोनों के पास से चार आधार कार्ड जब्त किए, बिहार में तैयार करवाए थे नकली दस्तावेज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने सूरत में किराये पर मकान और स्पा में नौकरी पाने के लिए हिंदू नाम से फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। पुलिस ने दोनों भाइयों के पास से चार आधार कार्ड जब्त किए हैं। जांच में सामने आया है कि ये दोनों भाई पिछले सात वर्षों से सूरत के अलग-अलग स्पा में नौकरी कर रहे थे। इनमें से एक, मोहम्मद आफरीदी, के खिलाफ पहले से ही दो पुलिस थानों में अनैतिक तस्करी (इमोरल

ट्रैफिकिंग) के केस दर्ज हैं।

एसओजी को सूचना मिली थी कि दो मुस्लिम भाई हिंदू नाम अपनाकर हिंदू इलाके में रह रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एसओजी की टीम ने अठवालाइंस इलाके में निगरानी रखी थी। निगरानी के दौरान, पुलिस ने मोहम्मद आफरीदी उर्फ प्रेम उर्फ प्रदीप मौर्य वाजिद अली (उम्र 28) और उसके नाबालिग भाई को शिव हेरिटेज, संग्रामपुरा से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 4 अलग-अलग आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड और 3 मोबाइल फोन समेत कुल 50,000 रुपये का सामान जब्त किया है।

पूछताछ में आरोपी मोहम्मद आफरीदी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह पिछले सात वर्षों से सूरत में विभिन्न स्पा में काम करता था, लेकिन इमोरल ट्रैफिकिंग के केस दर्ज होने के बाद उसे नौकरी मिलना बंद हो गया। साथ ही, मुस्लिम होने के कारण उसे हिंदू बहुल इलाकों में किराए पर मकान नहीं मिल रहा था। इन परेशानियों से बचने के लिए उसने फर्जी हिंदू नाम से आधार कार्ड बनवाया और पिछले दो वर्षों से अठवा क्षेत्र में रह रहा था।

आफरीदी ने आगे बताया कि उसने अपने भाई को भी बिहार से सूरत बुलाया और उसके नाम से भी हिंदू पहचान वाला फर्जी आधार कार्ड बनवाया। ये दोनों भाई पिछले दो वर्षों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हिंदू क्षेत्र में रह रहे थे और नौकरी भी कर रहे थे।

मोहम्मद आफरीदी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ पहले पुणा और रांदेर पुलिस थानों में अनैतिक तस्करी (इमोरल ट्रैफिकिंग) के मामले दर्ज हैं। अब फर्जी दस्तावेज और पहचान छुपाने के अपराध को लेकर अठवालाइंस पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।